RNI N.- BIHBIL/2022/88070

www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः115, रविवार , 04 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जातीय जनगणना पर तेजस्वी ने पीएम को लिखा पत्र 03

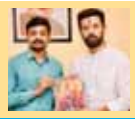

आर्टिस्ट अनिकेत ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को भेंट की पेंटिंग... 04

कंधे पर धनुष लटकाए निडर योद्धा बनकर निकली आकांक्षा शर्मा... 07

## हिंदू छात्राओं से रेप के आरोपी फरहान का शॉर्ट एनकाउंटर

**भोपाल (एजेंसी)।** भोपाल में हिंदू छात्राओं से गैंगरेप के मुख्य आरोपी फरहान को गोली लगी है। बताया जा रहा है कि उसने सब इंस्पेक्टर से पिस्टल छीनने की कोशिश की। इस बीच छीनाझपटी में गोली चल गई, जो फरहान के पैर में लगी है। आरोपी फरहान को घायल हालत में हमीदिया अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फरहान पर अब हत्या के प्रयास का केस भी दर्ज किया गया है। इस मामले में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि ऐसे अपराधियों को पैर पर नहीं, छाती पर गोली मारनी चाहिए थी।

लव जिहाद प्रदेश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे आरोपियों को सरे राह गोली मारिए। बता दें, शुक्रवार को भोपाल की अशोका गार्डन थाना पुलिस को फरहान की रिमांड मिली है। रिमांड के दौरान पुलिसकर्मी उसे थाने से उसकी निशानदेही पर एक अन्य आरोपी की तस्दीक के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान फरहान ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनने का प्रयास किया। ये घटनाक्रम शुक्रवार रात करीब 11 बजे से 11.30 बजे के बीच का है। अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपी फरहान ने पुलिस को गुमराह करने के लिए बताया था कि मामले में एक और फरार आरोपी अबरार सीहोर में छिपा है।

## पुलिसकर्मी लापरवाही नहीं बरतते तो गोधराकांड रोका जा सकता था

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** गुजरात में गोधरा त्रासदी के 23 साल बाद, गुजरात हाईकोर्ट ने साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में गश्त में लापरवाही के लिए नौ रेलवे पुलिस कर्मियों को नौकरी से हटाने का फैसले बरकरार रखा है। हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावटी ने पुलिसकर्मियों की याचिका खारिज करते हुए कहा कि यदि याचिकाकर्ता पुलिसकर्मी साबरमती ट्रेन से अहमदाबाद गए होते तो गोधरा त्रासदी को टाला जा सकता था। आवेदकों ने अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति घोर लापरवाही बरती। याचिकाकर्ता उस समय रेलवे पुलिस में

कार्यरत थे। इन्हें 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस में गश्त की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन चूंकि वे ट्रेन चूक गए थे, इसलिए वे दूसरी ट्रेन से अहमदाबाद जल्दी पहुंच गए। इस दिन गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगा दी गई थी, जिससे अयोध्या से लौट रहे कारसेवकों सहित 58 यात्रियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे और दो महीने तक जारी रहे। ड्यूटी में लापरवाही के कारण 9 पुलिस कर्मियों को 1 मार्च 2002 को सस्पेंड कर दिया गया था। सके बाद उनके खिलाफ विभागीय जांच की गई और नवंबर 2005 में उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। उन्होंने इसके खिलाफ अपील की, लेकिन लोकल कोर्ट ने अपील खारिज कर दी। इस पर इन्होंने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

## अब कास्ट सर्वे के आंकड़ों को जांचेगी नीतिश सरकार

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में जेडीयू और आरजेडी गठबंधन की सरकार ने तीन साल पहले जातिगत सर्वेक्षण लागू करने का ऐलान किया था। नीतिश कुमार की सरकार ने ऐलान किया था कि सर्वे में सामने आए 94 लाख परिवारों की वह दो लाख रुपये देकर मदद करेंगे। हालांकि बाद में आरजेडी और जेडीयू का गठबंधन टूट गया। अब नीतिश कुमार की सरकार कास्ट सर्वे के आंकड़ों को स्कैन और फिल्टर करना चाहती है। सरकार का कहना है कि बहुत सारे ऐसे परिवार हैं जो कि

अन्य योजनाओं का फायदा पहले से ही ले रहे हैं। नीतिश सरकार में उद्योग मंत्री नीतिश मिश्रा ने कह कि सरकार आंकड़ों को फिल्टर करेगी और जिन परिवारों को मदद की जरूरत है उनको जल्द ही धनराशि उपलब्ध करवाई जाएगी। सर्वे में पता चला था कि कम से कम 94 लाख परिवारों की मासिक आय 6 हजार रुपये से कम है। इसके बाद 7 नवंबर 2023 को नीतिश कुमार ने ऐलान कर दिया कि गरीब परिवारों को रोजगार यार फिर बिजनेस शुरू करने के लिए दो-दो लाख रुपये की मदद दी जाएगी। राज्य की कैबिनेट ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि इसे तेजी से लागू नहीं किया जा सका। रिपोर्ट की मानें तो अब तक इस योजना के तहत 1 लाख परिवारों को ही मदद मिल पाई है। कुछ लोगों को पूरी राशि मिली है तो बहुत सारे परिवारों को कुछ किस्तें ही मुहैया हुई हैं। 2023-24 में ही नीतीश रकार ने बिहार लघु उद्यमी योजना की शुरुआत की और कहा गया कि काम शुरू करने या फिर उसमें पूंजी लगाने के लिए मदद दी जाएगी।

# सिर्फ 3 मंजिल नहीं, पूरी संजौली मस्जिद गिरेगी

### ● कोर्ट ने घोषित किया अवैध,दिया कार्रवाई का आदेश

**शिमला (एजेंसी)।** हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में स्थित मस्जिद को लेकर नगर निगम अदालत ने अंतिम निर्णय सुना दिया है। पूरी मस्जिद के अवैध घोषित कर उसे पूरी तरह गिराने का आदेश दिया गया है। इससे पहले अदालत ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था। शिमला नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री की अदालत ने शनिवार को सुनवाई के बाद पूरे निर्माण को अवैध करार देते हुए संजौली मस्जिद को पूरी तरह से गिराने का आदेश जारी कर दिया। यह फैसला उस समय आया जब वक्फ बोर्ड की ओर से अदालत में मस्जिद की जमीन का मालिकाना हक साबित करने के लिए कोई पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सका। साथ ही मस्जिद निर्माण से संबंधित कोई वैध नक्शा या नगर निगम की स्वीकृति भी पेश नहीं की गई। इससे पहले अदालत ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था, लेकिन मस्जिद कमेटी इस पर समय रहते कार्रवाई नहीं कर सकी। शनिवार को हुई सुनवाई में नगर निगम अदालत ने मस्जिद के बची हुई दो मंजिलों को भी अवैध माना और उन्हें गिराने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड के वकील ने दलील दी कि मस्जिद का अस्तित्व 1947 से पहले का है और यह पुनर्निर्माण है। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि अगर यह पहले से मौजूद थी तो नए निर्माण के लिए नगर निगम की मंजूरी क्यों नहीं ली गई। नियमों को ताक पर रखकर सारी मस्जिद बनाई गई। पौने घंटे तक चली बहस के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा और दोपहर एक बजे के बाद नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री ने फैसला सुनाया। इसमें साफ कहा कि पूरी मस्जिद अवैध है, इसे गिराया जाए।

- **मस्जिद कमेटी समय पर नहीं कर सकी कार्रवाई-** 5 अक्टूबर 2024 को नगर निगम अदालत ने मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था, जिसे दो महीने के भीतर पूरा करना था। लेकिन मस्जिद कमेटी द्वारा समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं किया जा सका। बाद में दो बार और समय मांगा गया, परंतु अब भी एक मंजिल और पिलर का काम अधूरा है। संजौली मस्जिद का यह मामला तब सुर्खियों में आया जब 29 अगस्त 2024 को शिमला के मल्याणा क्षेत्र में दो समुदायों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ था। इसके बाद 1 सितंबर को संजौली मस्जिद के बाहर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई और अवैध निर्माण का मुद्दा उठ खड़ा हुआ। 11 सितंबर 2024 को हिंदू संगठनों ने मस्जिद निर्माण के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर मस्जिद की ओर कूच किया, जिस पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिस कर्मी घायल हुए। इसी के बाद नगर निगम कोर्ट ने इस मामले में गंभीरता दिखाई और जांच शुरू की।

### सामूहिक गैंगरेप केस में 'सुप्रीम' फैसला

# एक ने रेप किया, फिर भी सभी को मिलेगी सजा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने गैंगरेप के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा है कि यदि साझा इरादा (कॉमन इंटेंशन) सिद्ध हो जाता है, तो केवल एक व्यक्ति द्वारा बलात्कार का कृत्य करने पर भी सभी शामिल व्यक्तियों को गैंगरेप के लिए दोषी ठहराया जा सकता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला 1 मई को सुनाया। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, पीठ ने कहा, यह स्पष्ट है कि आईपीसी की धारा 376(2)(ए) के अंतर्गत सामूहिक बलात्कार के मामले में यदि सभी ने साझा मंशा के तहत कृत्य किया हो, तो एक आरोपी द्वारा किया गया कृत्य ही सभी को दंडित करने के लिए पर्याप्त है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस धारा के तहत, यदि एक से अधिक व्यक्तियों ने साझा इरादे के साथ अपराध में भाग लिया, तो यह साबित करने

की आवश्यकता नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति ने बलात्कार का कृत्य किया। केवल एक व्यक्ति द्वारा किया गया बलात्कारी कृत्य सभी को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त है, बशर्ते साझा इरादा स्थापित हो।

- **एससी/एसटी एक्ट से राहत, लेकिन आईपीसी धाराएं बरकरार-** हालांकि, कोर्ट ने राजू पर एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1) के तहत दोषसिद्धि को रद्द कर दिया, क्योंकि यह साबित नहीं हो सका कि अपराध पीड़िता की जाति के आधार पर किया गया था। कोर्ट ने पाटन जमाल वली बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के मामले का हवाला देते हुए कहा कि जाति और अपराध के बीच स्पष्ट कारण संबंध होना आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पीड़िता के प्रारंभिक बयान और बाद के बयान में कुछ अंतर होने के बावजूद उसकी समग्र गवाही विश्वसनीय है।
- **'टू-फिंगर टेस्ट' को फिर बताया अमानवीय-** कोर्ट ने इस मामले में 'टू-फिंगर टेस्ट' के उपयोग पर भी चिंता जताई और इसे एक बार फिर अमानवीय और अपमानजनक करार दिया। कोर्ट ने कहा, किसी महिला का यौन इतिहास पूर्णत: अप्रासंगिक हैज यह पितृसत्तात्मक और लिंगभेदी सोच है कि किसी यौन रूप से सक्रिय महिला की गवाही पर संदेह किया जाए।

## गोवा के शिरगांव में मची भगदड़, 7 लोगों की मौत

### 50 से ज्यादा घायल, बिजली तार गिरने से हादसा

### एक-दूसरे पर गिरे लोग, 20 लोगों की हालत गंभीर

**शिरगांव (एजेंसी)।** गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है।

## हम आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ लेंगे ठोस ऐक्शन

### ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा ● अंगोला ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का किया समर्थन, आंध्र सीएम भी थे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ़ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद यह बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि, हम इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मैं पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला को धन्यवाद देता हूं। इससे पहले,आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि राज्य के सभी पांच करोड़ लोग आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ हैं।

## हेड कॉन्स्टेबल ने की 5 शादी, छठवीं की थी तैयारी

### ● पांचवी शिक्षिका पत्नी जब थाने पहुंची,तब खुला राज ● एफआईआर दर्ज, हरियाणा पुलिस में तैनात है आरोपी

**मेरठ (एजेंसी)।** मुजफ्फरनगर निवासी हेड कॉन्स्टेबल ने पांच शादियां की। छठवीं शादी की तैयारी में था। आरोपी की पांचवीं शिक्षिका पत्नी ने थाने पहुंचकर शिकायत की। जिसके बाद पूरा मामला सामने आ गया। अरोपी हरियाणा पुलिस में है और गुरुग्राम में तैनात है। जबकि पत्नी बरेली के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका है। पत्नी की शिकायत पर मेरठ के कंकरखेड़ा थाने में आरोपी हेड कॉन्स्टेबल, मां व जेठ पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पत्नी का आरोप है कि उसका हेड कॉन्स्टेबल पति पहले 4 शादियां कर चुका है। जिसे उसने तलाक नहीं दिया। उसके बाद उसने मुझसे 5वीं शादी की और अब छठवीं शादी करने की तैयारी में है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है। मेरठ के कंकरखेड़ा के श्रद्धापुरी निवासी रश्मि तोमर बरेली के मीरगंज ब्लॉक के गुगई गांव में सहायक शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। उनके पिता वायुसेना से सेवानिवृत्त हैं। उनकी शादी वर्ष 2023 में मुजफ्फरनगर के बधाईकला गांव निवासी राहुल से हुई थी। राहुल वर्तमान में

गुरुग्राम पुलिस मुख्यालय में समन सेल में तैनात है। शिक्षिका का आरोप है कि शादी के बाद से पति शराब पीकर अतिरिक्त दहेज की मांग करता है और मारपीट करता है। आरोप है कि जेठ प्रशांत कुमार व सास सतवीरी भी शिक्षिका से अभद्र व्यवहार करते हैं।

- **शादी के साल भर बाद पता चला पांचवीं पत्नी हूं-** रश्मी ने बताया कि शादी के एक साल बाद महिला को जानकारी हुई कि उसके पति राहुल ने उससे पहले चार शादियां कर रखी हैं। जिसको लेकर जब उसने पति राहुल से बात तो वह लोग प्रताड़ित करने लगे। रश्मी ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले पता चला है कि उसके पति राहुल एक और महिला के संपर्क में हैं। राहुल अब छठी शादी करने की तैयारी में है। उसने विरोध किया, तो आरोपी ने बरेली पहुंचकर पीड़िता से मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान शिक्षिका का गर्भ भी गिर गया। आरोपी पीड़िता को जबरन कार में बैठाकर मेरठ ले आया और मायके में छोड़कर भाग गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति राहुल शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है।

# पाकिस्तान के व्यापार पर भारत का एक और 'हंटर'

### ● हर तरह के आयात पर रोक,जहाजों पर भी लगाया बैन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत सरकार ने एक और सख्त कदम उठाते हुए पाकिस्तान से सभी प्रकार के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि विदेश व्यापार नीति में एक नया प्रावधान जोड़ा गया है, जिसके तहत पाकिस्तान से उत्पन्न या निर्यातित किसी भी वस्तु के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात या ट्रांजिट पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लगाया गया है। इसके साथ ही, शिपिंग महानिदेशालय ने भी एक आदेश जारी कर कहा है कि पाकिस्तान के झंडे वाले किसी भी जहाज को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस आदेश में कहा गया है, यह आदेश भारतीय संपत्तियों, कार्गो और संबंधित अवसंरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। वहीं आदेश में कहा गया है कि भारतीय झंडे वाला कोई भी जहाज पाकिस्तानी पोर्ट पर नहीं जाएगा। इस आदेश का मतलब है कि पाकिस्तान से आने वाले या वहां से निर्यात किए जाने वाले किसी भी सामान का भारत में आयात या ट्रांजिट पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। चाहे वह सामान पहले से आयात के लिए स्वतंत्र हो या किसी विशेष अनुमति के साथ आता हो, अब उस पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी गई है। सीधे तौर पर पाकिस्तान से या किसी तीसरे देश के रास्ते (अप्रत्यक्ष रूप से) भी कोई सामान भारत नहीं आ सकता। भारत पहले ही भारत-पाकिस्तान के बीच एकमात्र भूमि व्यापार मार्ग, अटारी-वाघा सीमा से व्यापार को बंद कर चुका है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत के साथ सभी प्रकार के व्यापार को निलंबित कर दिया है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा वापस ले लिया था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच संबंध कमजोर होते गए।

### आईएसआई,लश्कर के बाद अब पोनीवालों पर एनआईए की नजर

**श्रीनगर (एजेंसी)।** पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के लिए एनआईए की टीम भी बैसरन घाटी पहुंची है। दूसरी तरफ, एनआईए के महानिदेशक ने श्रीनगर में समीक्षा बैठक की है। इस बीच, सूत्रों से ये जानकारी मिली है कि एनआईए को इस आतंकी हमले के मामले में ऐसे कई सबूत मिले हैं जो इस बात की तरफ इशारा कर रहे हैं कि बैसरन घाटी के हमले में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ था। अब एनआईए की जांच में नया टिवस्ट आ गया है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को ऐसे सुराग हाथ लगे हैं, जिससे स्थानीय पोनीवालों यानी खच्चर वालों की भूमिका शक के दायरे में आ गई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को शक है कि पोनीवालों ने आतंकियों की मदद की थी। सूत्रों के मुताबिक हिरासत में रखे गए कई पोनी राइडर्स ऐसे हैं, जिनके बयान मेल नहीं खा रहे। इसलिए जांच टीम को इन पर शक हो रहा है कि कहीं इन लोगों ने ही तो आतंकियों को ऊपर तक पहुंचाने और बैसरन घाटी में एंट्र के लिए मदद तो नहीं की। उनसे अभी भी गहन पूछताछ जारी है। एनआईए की टीम अब उनके फोन कॉल डिटेल्स भी खंगाल कही है और उनकी लोकेशन हिस्ट्री भी जांच कर रही है। इसी सिलसिले में एनआईए की टीम ने स्थानीय पोनीवालों समेत अब तक करीब 2800 लोगों के पूछताछ की है। उनसे यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आतंकियों के आने-जाने का रूट क्या था और बैसरन घाटी में कैसे एंट्री ली थी। एनआईए को जांच में ये भी पता चला है कि इस हमले में शामिल आतंकी मूला और अली भाई पाकिस्तान का रहने वाला है।

## संक्षिप्त समाचार

### बोधगया में पार्षद ने सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

**गया, एजेंसी।** मजदूर दिवस के अवसर पर बोधगया की पार्षद श्वेता रानी ने गुरुवार को नगर परिषद के मजदूरों को सम्मानित किया गर्मी को देखते हुए वार्ड संख्या 15 की पार्षद सह स्टैंडिंग कमेटी सदस्य श्वेता रानी ने सफाईकर्मियों के लिए राहत सामग्री वितरण किया। राजापुर स्थित अपने आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पार्षद ने अपने वार्ड में कार्यरत सफाईकर्मी, सुपरवाइजर और ड्राइवरों के बीच ग्लुकोज, शरबत, वाटर बोतल, स्टॉल और गमछा का वितरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी में भी सफाईकर्मी नियमित रूप से नगर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिनभर मेहनत करते हैं। ऐसे में उनका सम्मान और ध्यान रखना समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह पहल एक छोटी कोशिश है, जिससे उन्हें थोड़ी राहत मिल सके। सफाईकर्मियों ने भी पार्षद के इस प्रयास की सराहना की और आभार जताया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की भी सहभागिता रही। जिन्होंने इस सामाजिक पहल को प्रेरणादायक बताया।

### 'पारदर्शिता के साथ की जाए जातीय गणना

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर क्लब में 18 मई को 'जागृत संस्था की ओर से जातीय गणना पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इसमें डॉ अनिल चमरिया संपादक जन मीडिया एवं मास मीडिया के अलावा दिल्ली विवि के प्रो जितेंद्र मीणा, नगालैंड विवि के प्रो दीपक भास्कर रहेंगे। सेमिनार में मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव जातीय जनगणना एवं आरक्षण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालेंगे। राष्ट्रीय सेमिनार के अध्यक्ष प्रो विजय कुमार रजक ने कहा कि भारत में सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए जातीय गणना की जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता के साथ की गई जातीय गणना समावेशी विकास की दिशा में सहायक हो सकता है।

### जातीय गणना पर झूठा श्रेय लेने की कोशिश कर रहे विपक्षी : राजीव रंजन

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** केंद्र सरकार के जातीय गणना कराने के निर्णय को अपनी जीत बताने वाले विपक्षी दल केवल भ्रम फैला रहे हैं। सत्ता में रहते उन्होंने कुछ नहीं किया। आजादी के बाद सबसे पहले बिहार में जातीय गणना कराई गई। इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली तत्कालीन एनडीए सरकार ने प्रस्ताव पारित किया था। शुक्रवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने ये बातें कहीं। दरअसल, जातीय गणना को लेकर एनडीए पूरे देश में जन जागरण अभियान चला रहा है। इसी क्रम में एनडीए के घटक दलों की एक संयुक्त प्रेस वार्ता में शामिल होने जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता और भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी प्रभात मालाकार आए थे। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पूरे मामले पर अपना श्रेय लेना चाह रही है। लेकिन, जातीय गणना की मांग को हर बार नेहरू परिवार ने ठुकराया। वे इसके समर्थन में होते तो कई दशकों तक सरकार में रहने पर इसे करा चुके होते। लेकिन वोट बैंक की राजनीति के करण उन्होंने इसका पुरजोर विरोध किया। यही हाल बिहार में राजद का है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने तेजस्वी पर हमला बोलते हुए कहा कि 15 सालों तक सरकार में रहते हुए उन्हें किसने इस गणना से रोका था, पहले इसे स्पष्ट कर दें। सही तो यह है कि प्रदेश में एनडीए की सरकार ने ही जातीय गणना का दो बार प्रस्ताव पारित किया। साथ ही तत्कालीन वित्त मंत्री और भाजपा नेता तारकिशोर प्रसाद ने इसके लिए 500 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए थे। वहीं, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रभात मालाकार ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस फैसले पर ताली पीटनेवाले विपक्षी ही इसका विरोध करते रहे। इस निर्णय से देश की राजनीति को एक नई दिशा मिलेगी। जदयू जिलाध्यक्ष रामबाबू सिंह कुशवाहा, भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, लोजपा आर जिलाध्यक्ष चुलबुल शाही, हम के जिलाध्यक्ष संजार आलम और रालोमो के प्रदेश उपाध्यक्ष रेयाज ने कहा कि वे आम लोगों तक जातीय गणना से होनेवाले लाभ की जानकारी पहुंचाएंगे।

# ग्लोबल वार्मिंग का भारत की नदियों पर कहर

**भागलपुर, एजेंसी।** ग्लोबल वार्मिंग का कहर इस बार कोसी नदी पर पड़ना तय है। नेपाल के उत्तर गोसाई थान चोटी से जन्मी कोसी का अंत भागलपुर से सटे कटिहार के कुरसेला में होता है। यहां गंगा में मिलकर झारखंड-बंगाल के रास्ते समुद्र में समा जाती है। पहली बार वैशाख की तपिश में कोसी प्यासी दिख रही है। कुरसेला के पास नदी के वेग (फ्लो) में कमी आ गई है। इस वजह से यहां नदी नाला का रूप लेती दिख रही है। कोसी में भारी मात्रा में गाद होने से नवगछिया के मदरौनी से पानी के फ्लो में कमी आ गई है। इससे कुरसेला सड़क पुल के नीचे मुख्य धार के बीच डेल्टा (टापू) बनता दिख रहा है। यहां के मछुआरे बताते हैं, वैशाख में यह हाल है। अभी जेठ-आषाढ़ की गर्मी बाकी है। मछुआरे पवन सहनी, महेश मंडल आदि बताते हैं, कोसी में कम बहाव से गंगा नदी भी झारखंड के साहिबगंज में छिछली दिखने लगेगी। इस बार पानी कम होगा तो गंगा में क्रूज व कार्गो परिचालन पर संकट आना तय है। मछुआरों की चिंता पानी की कमी से मछली उत्पादन प्रभावित होने की है। कुरसेला से सटी बस्तियों के जीवन-यापन का मुख्य जरिया मछली पर ही निर्भर है।

#### क्या कहते हैं अधिकारी

कुरसेला में कोसी डाउन स्ट्रीम में है। नदियों में गाद जमा होने से बहाव में दिक्कत आती है। संभवतः यही वजह है कि कोसी में अभी पानी कम दिख रहा है। जल संसाधन विभाग को वर्तमान स्थिति से अवगत कराया जायेगा। जुलाई-अगस्त में कोसी पुनः जलमग्न हो जाएगी। -मुकेश कुमार, कार्यपालक अभियंता

#### वैशाख में ही प्यासी है कोसी नदी

पहली बार वैशाख की तपिश में कोसी प्यासी दिख रही है। जल संसाधन विभाग के रिटायर्ड मुख्य अभियंता चारू मजूमदार बताते हैं, कोसी नेपाल और तब्बित की सीमा रेखा से निकलती है। कोसी की कुल लंबाई 730 किलोमीटर है।

बिहार में इसकी लंबाई 260 किलोमीटर है। यह नेपाल में हनुमान नगर के पास भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करती है। विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट और कंचनजंगा कोसी जलग्रहण क्षेत्र में हैं। नेपाल में इसे सप्तकोसी के नाम से जाना जाता है। कोसी बिहार सीमा में सुपौल के भीमनगर के निकट प्रवेश करती है। यह कटिहार में कुरसेला के पास गंगा नदी में मिलती है। बिहार का शोक माना जाता है कोसी कोमजूमदार बताते हैं, कोसी नदी को अपने मार्ग परिवर्तन तथा बाढ़ आने के कारण बिहार का शोक कहा जाता है। कोसी की प्रमुख सहायक नदियां अरुण, तामुर, सुनकोसी, दूधकोसी, तमाकोसी, इंद्रावती तथा लिखुखोला आदि हैं। कोसी की मुख्यधारा अरुण और सुनकोसी से निकलती है। कोसी से सटे बिहार के कुछ मुख्य जिले सहरसा, सुपौल और मधेपुरा हैं। कोसी प्रमंडल के अंतर्गत ये तीनों जिले आते हैं। इसके अलावा कोसी नदी अररिया, किशनगंज, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार जैसे जिलों के भी क्षेत्रों से होकर गुजरती है।

#### कोसी नदी से सटे बिहार के जिले

सुपौल : कोसी प्रमंडल में शामिल। मधेपुरा : कोसी प्रमंडल में शामिल। अररिया : कोसी नदी के प्रभावित क्षेत्रों में शामिल। किशनगंज : कोसी नदी के प्रभावित क्षेत्रों में शामिल। खगड़िया : कोसी नदी के प्रभावित क्षेत्रों में शामिल। कटिहार : कोसी नदी के प्रभावित क्षेत्रों में शामिल। पूर्णिया : कोसी नदी के प्रभावित क्षेत्रों में शामिल। भागलपुर : कोसी नदी के पास स्थित।

**गंगा से मिलन द्वार पर नाला बन रही कोसी**

### जनता के लिए पार्टी बदली, ओवैसी के वादे पूरे नहीं हुए: अंजार नईमी

**किशनगंज, एजेंसी।** किशनगंज में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरम हो गया है। बहादुरगंज के राजद विधायक ने एआईएमआईएम पर पलटवार किया है। यह प्रतिक्रिया एआईएमआईएम नेता तौसीफ आलम के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि असदुद्दीन ओवैसी के बिना विधायक अंजार नईमी का कोई वजूद नहीं है।

**अंजार नईमी का तौसीफ आलम पर पलटवार :** शुक्रवार रात बहादुरगंज के मोहम्मद नगर पंचायत में सड़क शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजद विधायक अंजार नईमी ने कहा कि जनता ही उनका मालिक है। उन्होंने स्वीकार किया कि ओवैसी ने टिकट दिया था और उनके लिए आज भी सम्मान है, लेकिन वे जनता के सहारे जीते हैं।

**ओवैसी के वादे पूरे नहीं हुए- अंजार नईमी :** एआईएमआईएम छोड़ने का कारण बताते हुए अंजार नईमी ने कहा कि ओवैसी ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुए। इसलिए उन्होंने आरजेडी का दामन थामा। उन्होंने दावा किया कि विकास कार्यों की वजह से उन्हें कोई नहीं हरा सकता। एआईएमआईएम द्वारा बहादुरगंज से तौसीफ आलम को 6 महीने पहले ही उम्मीदवार घोषित करने पर विधायक ने कहा कि यह उनके डर को दर्शाता है।

## नेपाल में भारतीयों से 9.59 लाख नेपाली रुपये जब्त
## वीरगंज बॉर्डर पर बिहार के तीन लोग गिरफ्तार

### वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर किया जब्त

**रक्सौल, एजेंसी।** नेपाल के वीरगंज बॉर्डर पर नेपाल पुलिस ने 9 लाख 59 हजार नेपाली रुपए के साथ तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये लोग बिहार के पश्चिम चंपारण के रहने वाले हैं। तीनों स्कॉर्पियो में सवार होकर रक्सौल से वीरगंज जा रहे थे।

#### वाहन चेकिंग के दौरान नकदी बरामद

त्रिभुवन राजमार्ग पर कस्टम एरिया के पास वाहन की जांच के दौरान पुलिस ने कार की पिछली सीट से नकदी बरामद की। डीएसपी देवेंद्र सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपी नकदी का कोई वैध दस्तावेज या स्रोत नहीं बता सके। गिरफ्तार लोगों में बेतिया के वार्ड 7 के विजय प्रसाद (59), जौकटिया वार्ड 12 के मनोज कुमार साहनी (38) और छावनी चौक वार्ड 27 के संतोष कुमार श्रीवास्तव (41) शामिल हैं।

#### नेपाल पुलिस जांच में जुटी

नेपाल में विदेशी मुद्रा की अवैध आवाजाही को गंभीर अपराध माना जाता है। पुलिस ने नकदी और वाहन जब्त कर तीनों को हिरासत में ले लिया है। यह भी जांच हो रही है कि यह पैसा किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था और क्या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह है।

## भागलपुर में खेलो इंडिया यूथ गेम की तैयारी अंतिम चरण में

**भागलपुर, एजेंसी।** भागलपुर में खेलो इंडिया यूथ गेम 2025 की तैयारी अंतिम चरण में है। यहां चार मई से तीरंदाती प्रतियोगिता शुरू होगी। जो सात मई तक चलेगी। इसके बाद 10 मई से 13 मई तक बैडमिंटन प्रतियोगिता चलेगी। शुक्रवार को तैयारी का जायजा लेने डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी, एसएसपी हृदय कांत वरीय पदाधिकारियों के साथ सैंडिस कंपाउंड पहुंचे। क्राउड मैनेजमेंट को ध्यान में रखकर बनाए गए एंट्रेंस और एग्जिट गेट की जानकारी ली। डीएम ने भागलपुर स्टेशन का भी भ्रमण किया। यहां बनाए गए स्वागत कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भागलपुर पहुंचे तीरंदाजी के खिलाड़ियों से बात की। सैंडिस मैदान में खेल पदाधिकारियों ने बताया कि 100 मीटर के रेंज में तीरंदाजी की जाती है। 100 मीटर पर टारगेट बोर्ड लगाया जाएगा। निशाने पर नहीं लगने वाले तीर बाहर नहीं जा सकें, इसके लिए पीछे 12 फीट ऊंचा बोर्ड लगाया जाएगा। वीआईपी और मीडिया के लिए कृषि भवन वाले गेट से प्रवेश दिया जाएगा। खिलाड़ियों के लिए पुलिस लाइन वाले गेट से प्रवेश दिया जाएगा। दो आपातकालीन द्वार भी बनाए गए हैं। अधिकारियों ने सैंडिस कंपाउंड में बनाए गए महिला और पुरुष शौचालय के निरीक्षण के दौरान बेसिन के समीप मीरर लगाने और चेंजिंग रूम में पर्दा लगाने का निर्देश भवन प्रमंडल के सहायक अभियंता को दिया गया। शौचालय के फर्श को साफ करने और शौचालय के बगल में रखे टाइल्स के टुकड़ों को शीघ्र हटवाने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया गया। हैंगर, ग्राउंड एवं खिलाड़ियों के प्रतीक्षालय का डीएम ने किया मुआयना डीएम ने तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए बनाए गए हैंगर, ग्राउंड और खिलाड़ियों के प्रतीक्षालय का मुआयना किया। कार्यकारी एजेंसी द्वारा बताया गया कि प्रतीक्षालय में एसी लगा दिया जाएगा और फ्लेक्स बैनर भी लगवा दिया जाएगा। एजेंसी ने अधिकारियों को वीआईपी और दर्शक दीर्घा के साथ-साथ मीडिया कॉर्नर भी दिखाया। यह भी बताया गया कि मीडिया को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की सुविधा प्रदान की जाएगी। खिलाड़ियों से वे संवाद भी कर सकेंगे। जिनके पास अधिकृत पास होगा। उन्हें ही अनुमति दी जाएगी। बैडमिंटन हॉल के पास बैरिकेडिंग, ताकि इमरजेंसी में लोग सड़क पर न जाएं डीएम ने बैडमिंटन कोर्ट हॉल का भी निरीक्षण किया। वहां शौचालय की ऊंचाई बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

बैडमिंटन कोर्ट हॉल के आकस्मिक द्वार का डीएम और एसएसपी ने निरीक्षण किया। वहां कचरे की सफाई, निकास के रास्ते को सुगम बनाने और सड़क के पहले बैरिकेडिंग लगाने का निर्देश दिया गया। ताकि इमरजेंसी में निकलने वाले लोग सड़क पर ना चले जाएं। हॉल में लगायी जा रही लाइट को पूर्ण करने और बैडमिंटन कोर्ट में पेंटिंग के कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिए गए। बैडमिंटन कोर्ट के बाहर एलईडी लगाने के निर्देश दिए गए। ताकि दर्शक खेल को बाहर से देख सकें। इस अवसर पर नगर आयुक्त डॉ. प्रीति, सिटी एसपी शुभंकर मिश्रा, सहायक समाहर्ता जतिन कुमार, एडीएम दिनेश राम, एडीएम (विधि व्यवस्था) महेश्वर प्रसाद सिंह, एडीएम (आपदा प्रबंधन) कुंदन कुमार, संयुक्त निदेशक जनसंपर्क नागेंद्र कुमार गुप्ता, जिला खेल पदाधिकारी जय नारायण सिंह, सदर एसडीओ धनंजय कुमार, एसडीपीओ अजय कुमार चौधरी सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## औरंगाबाद में पेड़ से लटका युवक का शव मिला

**औरंगाबाद, एजेंसी।** औरंगाबाद में घर से 500 मीटर की दूरी पर पेड़ से लटका हुआ युवक का शव मिला है। 5 दिन पहले जॉब के लिए हरियाणा के गुरुग्राम गया था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। घटना सलैया थाना क्षेत्र के मंजहरिया पहाड़ की है। मृतक की पहचान भुइया बीघा टोल विजयनगर निवासी सुनील कुमार यादव (35) के तौर में की गई है। परिजनों को मुताबिक 27 अप्रैल को पत्नी के साथ सुनील का झगड़ा हुआ था। मारपीट में सिर फट गया था। इसके बाद बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। दूसरे दिन 28 अप्रैल को सुनील गुरुग्राम चला गया था। पिता दुखन यादव ने बताया को शुक्रवार सुबह बेटे से फोन पर बात हुई थी। तबीयत ठीक नहीं होने के कारण घर लौट रहा था। उसने बताया था कि वाराणसी पहुंच गया हूं। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हुआ। मोबाइल स्विच ऑफ था। हमलोग उसका इंतजार करते रहे, लेकिन वो नहीं लौटा। ग्रामीणों से मौत की सूचना मिली। मेरा बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता है। किसी ने हत्या कर उसके शव को पेड़ से लटका दिया है। 11 साल पहले शादी हुई थी। 4 बेटी और 1 बेटा है।

#### गांव लौटते समय देखा शव

वहीं, ग्रामीणों ने बताया क शुक्रवार को जंगली रास्ते से होकर कुछ लोग खजुआतिया गांव गए थे। जाते समय कोई शव नहीं देखा। आधे घंटे बाद लौटते पर पेड़ से लटका शव मिवा। इसके बाद परिजनों और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

#### जांच में जुटी पुलिस

मामले की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पेड़ से शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थानाध्यक्ष कन्हैया शर्मा ने बताया प्रारंभिक जांच में खुदकुशी का मामला लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा। परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। इस बिंदु पर छानबीन की जा रही है।

### जातीय जनगणना समावेशी विकास में मील का पत्थर साबित होगा:एनडीए

**गया, एजेंसी।** गया में जुटे एनडीए घटक दल के जिला अध्यकों ने की बैठक गया, हिन्दुस्तान संवाददाता। जाति आधारित जनगणना को स्वीकृति देना ऐतिहासिक और राष्ट्रहित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय है। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हम पार्टी के संस्थापक केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जी और एनडीए गठबंधन के सभी शीर्ष नेतागण धन्यवाद के पात्र हैं। जाति आधारित जनगणना की अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार को जिला जदयू कार्यालय में एनडीए नेताओं ने यह बातें कहीं। वक्ताओं ने कहा कि जातीय आधारित जनगणना समावेशी विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जातीय जनगणना से हमें समाज के वास्तविक सामाजिक, आर्थिक स्वरूप की सटीक जानकारी मिलेगी। साथ ही इससे नीतियां अधिक न्याय संगत और प्रभावी बनेंगे। वक्ताओं ने कहा कि विरोधी खेमा के कुछ लोग जबरन इसका श्रेय लेना चाहते हैं जो हास्यास्पद है। सत्ता में रहते न कभी राहुल गांधी और न ही लालू यादव कभी इसे गंभीरता से लिया। हम पार्टी के जिलाध्यक्ष नारायण मांझी ने कहा कि मैं विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहूंगा गरीबों के नेता जीतन राम मांझी जी को जिन्होंने कई बार इस मसले को केंद्र और राज्य में मजबूती के साथ उठाने का काम किया।

## बिहार को यूपी, बंगाल और झारखंड से जोड़ेगा 6 लेन एक्सप्रेस वे

### 7 घंटे में काशी टू कोलकाता, 35228 करोड़ की लागत

**पटना, एजेंसी।** बिहार से होकर गुजरने वाले पहले छह लेन एक्सप्रेस-वे का निर्माण वाराणसी से झारखंड की सीमा तक ही होगा। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से इस एक्सप्रेस-वे में दिलचस्पी नहीं लिए जाने के केंद्र सरकार ने फिलहाल वाराणसी से बिहार होते हुए झारखंड की सीमा तक ही इसे बनाने का निर्णय लिया है। हालांकि कोलकाता तक इसका निर्माण नहीं होने के कारण इस एक्सप्रेस-वे की उपयोगिता कम हो जाएगी। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार बिहार को उत्तरप्रदेश, झारखंड व बंगाल से जोड़ने वाला यह एक्सप्रेस-वे 61वें एनएच के रूप में अधिसूचित है। उत्तरप्रदेश के वाराणसी में रेवासा गांव के निकट एनएच 19 से यह सड़क शुरू होकर चंदौली होते हुए बिहार के चांद में प्रवेश करेगी। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से वाराणसी से कोलकाता की दूरी 14 घंटे के बदले मात्र सात घंटे में पूरी की जा सकेगी। साथ ही यूपी, झारखंड व पश्चिम बंगाल के बीच बिहार से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। विशेषकर हल्दिया बंदरगाह तक मालों की आवाजाही आसान होगी। 18 शहरों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर 35 हजार 228 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। इस एक्सप्रेस-वे की उपयोगिता को देखते हुए ही केंद्र सरकार लगातार संबंधित राज्यों के साथ विमर्श कर रही है। यूपी, बिहार व झारखंड में तो इस एक्सप्रेस-वे पर काम शुरू हो गया, लेकिन बंगाल सरकार इसमें दिलचस्पी नहीं ले रही है। पत्र दिए जाने के बावजूद यथोचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। फिलहाल इस एक्सप्रेस-वे का काम यूपी, बिहार और झारखंड में चालू रखा जाए।

#### पैकेज चार में टनल का निर्माण होना है

जब बंगाल सरकार सकारात्मक पहल करेगी तभी वहां काम शुरू होगा। हालांकि अधिकारी यह मान रहे हैं कि हल्दिया बंदरगाह तक मालों की आवाजाही के लिए बनाए जा रहे इस एक्सप्रेस-वे का काम बंगाल में नहीं होने से इसकी उपयोगिता कम हो जाएगी। बिहार में यह एक्सप्रेस-वे सात पैकेज में बन रहा है। दो व तीन का टेंडर हो चुका है लेकिन आम लोगों द्वारा जमीन अधिग्रहण की राशि अधिक मांगे जाने के कारण निर्माण बाधित है। पैकेज चार में टनल का निर्माण होना है। लेकिन वन विभाग ने टनल बनाने के लिए ब्लास्ट करने की अनुमति नहीं दी और टीएनबी से टनल बनाने का सुझाव दे दिया। लेकिन टीएनबी से टनल बनाने में दो-तीन गुना अधिक खर्च होगा। अधिक राशि खर्च होने को लेकर एनएचएआई ने आपत्ति जतायी है।

#### लंबाई 40-50 किमी और बढ़ जाएगी

इस परिस्थिति में सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने डिजाइन में संशोधन कर नए सिरे से एलाइनमेंट बनाने को कहा है। एलाइनमेंट बदले जाने पर इस एक्सप्रेस-वे की लंबाई 40-50 किमी और बढ़ जाएगी। एलाइनमेंट में बदलाव के बाद पैकेज पांच में सोन नदी पर बनने वाले पुल का भी स्थान बदल जाएगा। पुरानी डिजाइन में तिलौथू के समीप पुल बनना था।

## संक्षिप्त समाचार

### जातीय जनगणना के फैसले पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने निकाली आभार यात्रा

**बीएनएम। मोतिहारी।** जातीय जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने शनिवार को मोतिहारी में आभार यात्रा निकाली। यह यात्रा कर्पूरी स्मारक से शुरू होकर गांधी चौक तक पहुँची, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए नारे लगाए। आभार यात्रा का नेतृत्व पार्टी के जिलाध्यक्ष इंजीनियर रमेश पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला लंबे समय से राष्ट्रीय लोक मोर्चा की प्रमुख मांग रही है, जिसे अब केंद्र सरकार ने स्वीकार कर ऐतिहासिक कदम उठाया है। पासवान ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा इस मुद्दे को लगातार उठाते रहे हैं और हाल ही में बाल्मिकीनगर में आयोजित चिंतन-मंथन शिविर में भी इसे प्रमुखता से रखा गया था। इस मौके पर पार्टी नेता डॉ. दीपक कुमार ने कहा कि जातीय जनगणना से सभी जातियों की वास्तविक जनसंख्या का आंकड़ा सामने आएगा, जिससे आरक्षण और सरकारी योजनाओं का सही दिशा में विस्तार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, "अब किसी के हक की अनदेखी नहीं होगी, सबको उनकी संख्या के अनुपात में भागीदारी मिलनी चाहिए।" आभार यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। उपस्थित नेताओं में प्रदेश प्रवक्ता रामपुकार सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष संत सिंह कुशवाहा, जिला प्रधान महासचिव प्रो. सुरेंद्र कुशवाहा, वेदप्रकाश गुप्ता, मुजीबूर रहमान, विभूति नारायण सिंह, हनीफ हवारी, मंतोष यादव, डॉ. राकेश कुशवाहा, मुकेश कुमार, राजेंद्र शाह, चन्दन प्रसाद, राजन कुमार, राहुल कुमार, रामलखन शाह, मनोज कुमार और ई. सत्यम कुमार शामिल थे।

### शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी संबंधित थाना व अंचल कार्यालय में शस्त्रों का करालें भौतिक सत्यापनः जिलाधिकारी

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा जिला स्क्रीन कमेटी की बैठक में जिला में पंजीकृत सभी शस्त्र अनुज्ञप्ति जो पूर्वी चंपारण जिला से निर्गत एवं बाह्य पंजी में दर्ज है की समीक्षा की गई एवं निर्देश दिया गया कि सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी दिनांक 07.05.2025 से दिनांक 17.05.2025 तक स्वयं उपस्थित होकर अपने शस्त्र तथा कारतूस का संबंधित थाना/अंचल कार्यालय में भौतिक सत्यापन करा लें। जिन शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अद्यतन नवीकरण नहीं कराया गया है उन्हें अभिलंब नवीकारण कराने का निर्देश दिया गया है। इस जिले में बाह्य शस्त्र अनुज्ञप्ति पंजी में दर्ज अनुज्ञप्ति धारी के द्वारा अपने शस्त्र का सत्यापन/अद्यतन नवीकरण नहीं कराया गया है, को अभिलंब सत्यापन/नवीकरण कराने का निर्देश दिया गया है।अन्य राज्य/ जिला के द्वारा निर्गत शस्त्र अनुज्ञप्ति के धारक के द्वारा इस जिले के बाह्य पंजी में इंद्राज नहीं कराया गया है, उनके द्वारा बाह्य शस्त्र अनुज्ञप्ति पंजी में दर्ज कराने तथा दर्ज नहीं करने की स्थिति में शस्त्र जमा कराने का निर्देश दिया गया है। अन्य राज्य से कितना शस्त्र अनुज्ञप्ति जारी है, उसका डेटा थानाध्यक्ष के द्वारा तैयार करने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया है।

# आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर ईवीएम व वीवी पैट की जांच

**बीएनएम। मोतिहारी**

उप निर्वाचन पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण सरफराज नवाज के द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के निमित्त ईवीएम एवं वीवी पैट का प्रथम स्तरीय जाँच (FLC) दिनांक-02.05.2025 से 24.05.2025 तक निर्धारित है। FLC कार्य समाहरणालय परिसर स्थित वी०वी०पैट वेयर हाउस के FLC हॉल में किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त 17 सदस्यीय अभियंताओं की टीम द्वारा FLC कार्य संपादित किया जा रहा है। यह कार्य लगातार सामान्य दिनों की तरह अवकाश के दिनों में भी प्रातः 09.00 बजे पूर्वाह्न से 07.00 बजे अपराह्न तक किया जायेगा। पूर्वी चंपारण जिलान्तर्गत कुल BU 7209, CU-5613 एवं VVPAT-6058 का प्रथम स्तरीय जाँच किया जाना है। ईवीएम एवं वीवी पैट का प्रथम स्तरीय जाँच (FLC) से तात्पर्य है कि आम निर्वाचन से पहले ई०वी०एम० एवं वी०वी०पैट का Testing & Checking संबंधित विनिर्माता कम्पनी के प्राधिकृत अभियंतओं के द्वारा किया जाता है। प्रथम स्तरीय जाँच (FLC) का सभी कार्य जिला निर्वाचन पदाधिकारी के अधीक्षण एवं नियंत्रण में किया जाता है। FLC के दौरान जो BU, CU एवं VVPAT FLC OK पाया जाता है, उसका प्रयोग निर्वाचन में किया जाता है एवं जो BU, CU एवं VVPAT FLC Rejected पाया जाता है उसे संबंधित विनिर्माता कम्पनी को सात दिनों के अंदर वापस भेजना होता है। वर्तमान में जिले सभी भंडारित BU, CU एवं VVPAT ECIL, कम्पनी द्वारा विनिर्मित एवं M3 Model का है।

**EVM/VVPAT की उपलब्धता की स्थिति :-**

**वेयर हाउस में उपलब्धता-**

- BU-7209
- CU-5613
- VVPAT-6058

FLC के दौरान अनाधिकृत व्यक्ति का FLC कक्ष में प्रवेश पूर्णतः निषेध रहेगा। FLC परिसर/कक्ष में धूमपान/गुटखा/पान/पानमशाला इत्यादि नशीली पदार्थ का उपयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा। बिना परिचय पत्र के FLC कक्ष में प्रवेश निषेध रहेगा। FLC परिसर कक्ष को स्वच्छ एवं साफ बनाए रखना है। कूड़ादान का उपयोग निश्चित रूप से करना है। FLC परिसर कक्ष में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक सामग्री का प्रवेश निषेध रहेगा। सेलफोन, कैमरा इत्यादि का प्रवेश FLC कक्ष में पूर्णतः निषेध रहेगा। ज्वलनशील पदार्थ लेकर FLC परिसर/कक्ष में प्रवेश वर्जित है। FLC के उपरांत FLC OK BU, CU, एवं VVPAT की EMS 2.0 पोर्टल से डाउनलोड की गयी सूची सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष सचिव/प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाता है। FLC की पूर्ण प्रक्रिया का IP आधारित सी०सी०टी०वी० कैमरे के माध्यम से लाईव बेवकास्टिंग किया जा रहा है। FLC स्थल पर अग्निशमन वाहन की व्यवस्था एवं Fire Alarm का अधिष्ठापन किया गया है। FLC कार्य स्थल पर दिनांक-02.05.2025 से 24.05.2025 तक एम्बुलेंस सहित एक मेडिकल टीम गठित कर सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा से संबंधित व्यवस्था किया गया है। एफएलसी जांच की प्रक्रिया को देखने एवं परीक्षण करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा एक प्रतिनिधि श्री मस्तु दास, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी उत्तराखंड को भेजा गया है जिनके प्रशिक्षण में एफएलसी का कार्य संपन्न कराया जा रहा है। इसके साथ-साथ जिला स्तर पर नगर आयुक्त नगर निगम मोतिहारी सौरभ सुमन को एफएलसी सुपरवाइजर बनाया गया है।

## जिला पर्यवेक्षक ने कांग्रेसजनों से की मुलाकात, आगामी चुनावों को लेकर बनाई रणनीति

**बीएनएम। मोतिहारी**

गांधी आश्रम, बंजरिया पंडाल में कांग्रेस पार्टी के जिला पर्यवेक्षक अभिनव संगम जी ने जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस अवसर पर आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जनसमस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाने पर बल दिया गया। जिला पर्यवेक्षक ने सभी कांग्रेसजनों से एकजुट होकर काम करने की अपील की और कहा कि संगठन की मजबूती से ही आगामी चुनावों में सफलता संभव है। मौके पर प्रो. विजय शंकर पांडे, सत्येंद्र नाथ तिवारी, अमित कुमार श्रीवास्तव, रंजीत पांडे, अमरेंद्र कुमार सिंह, दिवाकर रशीद, अर्पित गुप्ता, धनंजय तिवारी, विजय कुमार जायसवाल, मुन्नी साहनी, तनवीर खान, डॉ. मोहम्मद अफरोज आलम, मोतिउर रहमान, ओसैदूर रहमान खान, परशुराम पांडे, मुमताज अहमद खान, संजय सत्यार्थी आदि लोग उपस्थित रहे।

## आर्टिस्ट अनिकेत ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को भेंट की पेंटिंग

**बीएनएम। मोतिहारी**

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आर्टिस्ट अनिकेत राज ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, चिराग पासवान को उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान के साथ एक हस्तनिर्मित पेंटिंग भेंट की। यह शिष्टाचार मुलाकात नई दिल्ली स्थित मंत्रालय में शनिवार को संपन्न हुई। अनिकेत राज, मोतिहारी शहर के पंचमंदिर चौक, बिसाती पट्टी स्थित अग्रहरी मोहल्ला निवासी हैं। वे दिनेश कुमार और सरिता देवी के पुत्र हैं। 3 मई को उन्होंने न केवल मंत्री को अपनी ऑयल पोर्ट्रेट पेंटिंग भेंट की, बल्कि "महाकुंभ" पर आधारित अपनी रचित एक विशेष मैगजीन भी प्रस्तुत की। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अनिकेत की कलाकृति की अत्यंत सराहना की और मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष उनकी प्रतिभा की खुले दिल से प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि मोतिहारी से आया यह युवा कलाकार मेरे लिए पेंटिंग लेकर आया है, इससे बड़ा गर्व और क्या हो सकता है।" उन्होंने अनिकेत की प्रतिभा को सराहा और आश्वासन दिया कि वे कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही अनिकेत और उनके माता-पिता को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद भी दिए। अनिकेत राज को विद्यालय स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। वे देश की अनेक नामचीन हस्तियों को अपनी पेंटिंग भेंट कर चुके हैं, जिनमें पत्रकारिता जगत की प्रसिद्ध एंकर चित्रा त्रिपाठी, आशुतोष चतुर्वेदी और प्रियंका दुबे शामिल हैं। चंपारण क्षेत्र के युवाओं में अनिकेत की इस उपलब्धि को लेकर गर्व और उत्साह की लहर है और मोहल्ले के लोग भी उनकी प्रशंसा कर रहे हैं।

## मोतिहारी के फरहीन को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

**बीएनएम। मोतिहारी**

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के खुदा नगर निवासी समाजसेवी अजहर हुसैन अंसारी की बड़ी पुत्री फरहीन को पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि मिली है। उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि उनके शोध पत्र " पंचायती राज में महिलाओं की सहभागिता संदर्भ पूर्वी चंपारण " के शोध पर मिली है। मोतिहारी महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के गांधी शांति अध्ययन विभाग अंतर्गत सहायक आचार्य डॉ. अभय विक्रम सिंह के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में आयोजित आभासी पर्यवेक्षक प्रोफेसर सुनील कुमार चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली एवं कार्य पर्यवेक्षक अनुपमा शर्मा के गरिमामय उपस्थिति में उसने अपना शोध पत्र सफलता पूर्वक सम्पन्न की है। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के परिसर में गुरूवार को एक सादे समारोह में फरहीन को पीएचडी ( डॉक्टरेट) की उपाधि से विभूषित किया गया। इस अवसर पर समाज विज्ञान संकाय के डीन सुनील कुमार महावर, विभागाध्यक्ष डॉ युगल किशोर दधीच , सहायक आचार्य डॉ अंबिकेश त्रिपाठी अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष, शोधार्थी एवं विश्वविद्यालय परिवार के अन्य शिक्षाविद उपस्थित थे। फरहीन के पी एच डी के उपाधि मिलने पर उनके परिजनों एवं शुभचिंतकों में आपार हर्ष है।

## खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रतिभा दिखाएंगे जिले के तीन साइक्लिस्ट

### तीन साइक्लिस्ट में एक बालक और दो बालिका, बिहार साइक्लिंग टीम में तीनों खिलाड़ियों ने बनाई जगह

**बीएनएम। मोतिहारी**

बिहार में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान साइक्लिंग प्रतियोगिताओं में जिले के तीन खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। 4-15 मई तक बिहार के कई शहरों व दिल्ली में आयोजित होने वाले यूथ गेम्स को लेकर बिहार साइक्लिंग टीम में जिले के तीन खिलाड़ियों (एक बालक व दो बालिका) ने जगह बनाई है। इनमें दीपक कुमार, प्रियांशु कुमारी और सृष्टि कुमारी शामिल है। दीपक और प्रियांशु दिल्ली में 6-8 मई तक होने वाले ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता को लेकर पिछले माह से दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। ट्रैक साइक्लिंग बिहार टीम में इनदोनों खिलाड़ियों के अलावा छपरा की सुहानी कुमारी( इंटरनेशनल मेडलिस्ट), सिवान की अमृता कुमारी (इंटरनेशनल मेडलिस्ट), शालिनी कुमारी (पूर्णिया), गुड़िया कुमारी (सिवान), शशि यादव (सिवान), विकास कुमार, आर्यन सिंह व आर्यन तेजस (तीनों पूर्णिया) शामिल है। जानकारी देते हुए जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा ने बताया कि ट्रैक साइक्लिंग की प्रतियोगिता के उपरांत पटना में रोड साइक्लिंग की प्रतियोगिता 12-14 मई तक जेपी पथ पर होगी जिसमें 10 खिलाड़ियों वाले बिहार टीम में शामिल जिले के तीन खिलाड़ियों दीपक, प्रियांशु और सृष्टि की भागीदारी होगी। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में व साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के देखरेख में रोड साइक्लिंग का प्रशिक्षण शिविर पटना में 20 मार्च से चल रहा है। कहा कि यूथ गेम्स में बिहार साइक्लिंग टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और मेडल जीतेगी। श्री वर्मा ने कहा कि इसी वर्ष पटना में हुए स्कूली नेशनल चैंपियनशिप में बिहार के सात बालक-बालिका खिलाड़ियों ने एक रजत और छह कांस्य पदक जीता था। इनमें जिले के तीन खिलाड़ियों रितिक, सुप्रिया और शालिनी ने एक-एक कांस्य पदक जीता। साथ ही रांची में हुए ट्रैक साइक्लिंग के स्कूली नेशनल चैंपियनशिप के टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। टीम इवेंट के खिलाड़ियों में जिले का दीपक भी शामिल था। यूथ गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जिला संघ के सभी सदस्यों के अलावा खेल प्रेमियों ने हौसला बढ़ाते हुए शुभकामनाएं दी है।

## जिला कांग्रेस के वरीय नेता उस्मान गनी का निधन, राजनीतिक हलकों में शोक की लहर

**बीएनएम। मोतिहारी**

जिला कांग्रेस कमिटी के वरीय नेता उस्मान गनी साहब का शनिवार को दुःखद निधन हो गया। उनके निधन से जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि गनी साहब हमारे प्रिय मित्र थे और उनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने भी गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी के पर्यवेक्षक अभिनव संगम, प्रो. विजय शंकर पांडे, सत्येंद्र नाथ तिवारी, शैलेंद्र कुमार सिंह, ओसैदूर रहमान खान, रंजीत पांडे, विजय कुमार जायसवाल, परशुराम पांडे सहित कई अन्य नेताओं ने भी शोक संवेदना प्रकट की।

## इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंटःएकरा पब्लिक स्कूल ने डीएवी को 10 विकेट से हराया

**बीएनएम। मोतिहारी**

जिला मुख्यालय स्थित नेहरू स्टेडियम के ग्राउंड पर चल रहे स्व.संजय सिंह व स्व.शौकत अली मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के मुकाबले में एकरा पब्लिक स्कूल ने चंद्रशील डीएवी स्कूल को 10 विकेट से करारी शिकस्त दिया। टूर्नामेंट कमिटी के सचिव मो.आलम व मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया कि टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए चंद्रशील डीएवी स्कूल ने बल्लेबाज शमशाद के 20 रन व अमृत के 12 रन के पारी के बावजूद सिर्फ 56/10(13) रन का स्कोर बनाया।एकरा पब्लिक स्कूल के गेंदबाज मैन ऑफ द मैच विकास ने 3 विकेट व अभिषेक ने 2 विकेट लिया।जवाब में एकरा पब्लिक स्कूल ने सलामी बल्लेबाज बादल कनौजिया के 38 रन,प्रकाश के 15 रन के बदौलत 57/0(3.3) स्कोर बनाकर मैच एकतरफा कर दिया। मैच में अम्पायर की भूमिका शत्रुधन कुमार व इब्राहीम लोधी ने निभाया।वही स्कोरर व कन्वेनर की भूमिका में मो.रेयान व अंकुर रहे। मौके पर टूर्नामेंट कमिटी के अध्यक्ष डॉ.अमित,उपाध्यक्ष महफूज अरमान खान,संयुक्त सचिव अयाज अहमद,बीसीए पैनल अम्पायर मो.तैयब,सचिन सहित अन्य वरिष्ठ खिलाड़ी व खेलप्रेमियो की उपस्थिति रही।

## भेलाही में ग्रामीण विकास मंत्री ने किया 21 योजनाओं का उद्घाटन

**बीएनएम। मोतिहारी**

जिले के रक्सौल प्रखंड अंतर्गत भेलाही पंचायत में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी तरह स्वस्थ हैं और लगातार सभी कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। उन्होंने इसे विरोधियों की चाल बताया और कहा कि मुख्यमंत्री की सेहत पर सवाल उठाकर विपक्ष केवल जनता को भ्रमित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार के विकास के प्रतीक हैं और आगे भी हमारे नेता बने रहेंगे। मंत्री श्रवण कुमार ने भेलाही के नथुनी दुर्गा उच्च विद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में पंचायत में कुल 21 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इन योजनाओं की कुल लागत एक करोड़ 29 लाख रुपये है। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न खेल मैदानों का भी उद्घाटन किया और बताया कि बिहार सरकार ने अब तक 6800 खेल मैदानों का निर्माण कराया है जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिल रहा है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। आज राज्य में 10 लाख 63 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार में बिहार विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसका असर हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधान पार्षद खालिद अनवर ने पूर्ववर्ती राजद सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौर में पूरे राज्य में अराजकता का माहौल था। लेकिन आज अपराधियों ने मुख्यधारा से जुड़कर जीवन यापन शुरू कर दिया है। मंत्री के आगमन पर चिकनी गांव में डॉ. सौरव राव के आवास पर स्वागत किया गया, वहीं विद्यालय पहुंचने पर बच्चों ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।मौके पर स्कूल के प्राचार्य सुधीर कुमार सिंह, डॉ. श्यामबाबू प्रसाद, डॉ. प्रदीप कुमार, मुखिया मो. जफीर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### सरकारी दर से मुंह मोड़ रहे किसान, लखीसराय में गेहूं खरीद लक्ष्य का केवल 0.31% ही पूरा

**बीएनएम। लखीसराय।** रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, लेकिन जिले में इसका असर नजर नहीं आ रहा है। 1 अप्रैल से शुरू हुई सरकारी खरीद के एक माह बाद भी किसानों की भागीदारी बेहद कम रही है। जिले में गेहूं खरीद का लक्ष्य 2544 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है, लेकिन अब तक केवल 12 किसानों ने 7.8 मीट्रिक टन गेहूं की बिक्री की है, जो कुल लक्ष्य का मात्र 0.31% है। जिले में 56 पैक्स और 4 व्यापार मंडलों पर खरीद की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की ओर से प्रचार-प्रसार और पंजीकरण की प्रक्रिया भी चलाई गई, मगर किसान सरकारी दर की तुलना में खुले बाजार में ज्यादा दाम मिलने के कारण सरकारी खरीद केंद्रों से दूरी बना रहे हैं। वर्तमान में बाजार में गेहूं 2800 से 3000 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा है, जिससे किसानों को एमएसपी की तुलना में 400 से 600 रुपये प्रति क्विंटल तक ज्यादा लाभ मिल रहा है।कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसान लाभ के अनुसार निर्णय ले रहे हैं। पैक्स प्रबंधकों का कहना है कि केंद्रों पर सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन खरीदी की गति बेहद धीमी है। वहीं प्रशासनिक स्तर से किसानों को जागरूक करने की प्रक्रिया जारी है। यदि यही स्थिति बनी रही तो सरकार द्वारा निर्धारित खरीद लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल होगा। खरीदारी की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। ऐसे में सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती किसानों को केंद्रों तक लाने की है।

### मां बेटी के साथ मारपीट

**बीएनएम। जमुई/ झाझा।** पहले प्यार, फिर शादी और फिर लड़की के साथ मारपीट की घटना को एक युवक के द्वारा अंजाम दिया गया। मामला थानाक्षेत्र के सुन्दरीटांड़ गांव की है। वही बेटी को बचाने की कोशिश की गई तो युवक और उसके घरवालों ने लड़की की मां के साथ भी मारपीट किया। घायल लड़की की पहचान निभा कुमारी और उसकी मां शोभनी देवी के रूप में हुई जिसका इलाज रेफरल अस्पताल में हुआ। पीड़िता निभा ने बताई की दो साल पहले करमा पूजा में गांव के ही रहने वाले विक्रम ने मुझे फोन किया और फिर हमदोनो में प्रेम हुआ। जिसके बाद विक्रम ने 6 माह पूर्व मुझसे शादी की। जिसके बाद वह अपने घर ले जाने को लेकर बहानेबाजी करने लगा। वही दो दिन पूर्व उसने अपना मोबाइल बंद कर दिया । शुक्रवार की शाम को वह बाजार में मिली जहां विवाद बढ़ते देखकर उसने अपने बाइक पर बैठाकर घर ले जाने लगा और बीच नदी में मुझे छोड़कर फरार हो गया। जिसके बाद मै और मेरी मां उसके घर पर गई तो विक्रम मुझे अपने घर मे रखने से इनकार कर दिया और मारपीट करने लगा। जब मेरी मां छुड़ाने के प्रयास किया तो मां के साथ भी उसके घर वालों ने मारपीट की। जब डायल 112 कि पुलिस मौके पर पहुंचकर विक्रम को पकड़ा तो उसकी फुआ अनरवा देवी ने पुलिस के हाथ मे दांत काटकर उसे छुड़ाकर भगा दिया। न्याय की उम्मीद को लेकर पीड़िता निभा ने थाना में आवेदन दिया। जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट चुकी है।

### काटे गए चालान, सड़क पर अतिक्रमणकारियो पर चला बुलडोजर

**बगहा में पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए चला अभियान**

**बीएनएम। बगहा।** बगहा नगर परिषद एक्शन मोड में है, अतिक्रमण हटाने के अभियान के साथ कोचिंग सेंटरों को अवैध रूप से बैनर लगाने,डेयरी संचालकों को नालियों में गोबर बहाने और सड़कों को बाधित करने पर संचालकों तथा पॉलीथिन बेचने वाले दुकानदारों को जुर्माना किया गया।इस कड़ी में शुक्रवार को स्वच्छता पदाधिकारी अब्दुल बाकी की अध्यक्षता में सड़क पर से अतिक्रमण को हटाया गया।कुछ सामान भी अपने कब्जे में लेकर ट्रॉली में लोड किया गया।नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा पॉलिथीन पकड़े जाने पर चालान कटने की सूचना मिलते ही सभी दुकानदारों में हड़कंप मच गया और दुकानदारों ने दुकानों में रखे पॉलिथीन छिपाने शुरु कर दिए।स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया कि पॉलिथीन,कैरी बैग के प्रयोग और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध है।इसलिए आदेशो की उल्लंघन करने पर दुकानदारों के चालान काटे जा रहे हैं और पहली बार पकड़े जाने पर जुर्माना भरवाया जाएगा। अगर दुकानदार जुर्माना नहीं भरता तो,इसके लिए सजा का भी प्रावधान है।वही लगभग 10 दुकानो के चालान काटे गए।इस छापेमारी मे होल्डिंग पदाधिकारी चन्दन कुमार,सिटी मैनेजर,स्वच्छता साथी किशोर यादव,राकेश कुमार,आशुतोष कुमार,विकास कुमार,राहुल कुमार,साधु बासफोर,दीक्षा कुमारी,मुस्कान जयसवाल,कोमल कुमारी,अंजू कुमारी,अमीन अभय कुमार और बगहा नगर थाना एसआई प्रमोद कुमार सहित पूरी पुलिस बल मौजूद थे।

### बाढ़ व कटाव का सताने लगा डर, बचाव कार्य करने की मांग

**बीएनएम। बैरिया।** अंचल क्षेत्र के लौकरिया मुसहर टोली के काफी करीब गंडक नदी के आ जाने व नदी के द्वारा दर्जनों ठोकर क्षतिग्रस्त हो जाने से ग्रामीणों में बरसात पूर्व ही इसका भय सताने लगा है। जिसको लेकर गंडक के पास दर्जनों लोगो ने प्रदर्शन कर समय रहते निरोधात्मक कार्य करने के लिए जिला प्रशासन से मांग की है।वही सीपीआई नेता वीरेंद्र राव ने कहा कि बरसात पूर्व यदि क्षतिग्रस्त ठोकरों की मरम्मत कार्य नही किया जाता है तो सैकड़ों दलित बस्ती,नदी के गोद में समा जाएगा । मौके पर ददन मुखिया, कैलाश मुखिया,किशोर मुखिया,रामजी पासवान इत्यादि लोग ने बचाव रोधी कार्य कराने का मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि देखते ही देखते नदी बांध के समीप आ गई है। जब-जब बाढ़ का समय आता है तब तक हम लोगों को नदी का भय सताने लगता है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे जल संसाधन विभाग के कनीय अभियंता रामबाबू रजक एवं उप अभियंता प्रदीप कुमार ने उक्त स्थल का जायजा लिए। उन लोगों ने बताया कि इसकी जानकारी विभाग को दी जाएगी ।

### सीआरसी में बच्चों ने किया हंगामा

**बीएनएम। बैरिया:** राजकीय मध्य विद्यालय बैरिया बाजार के दर्जनों बच्चों ने सीआरसी में धरना प्रदर्शन किया । धरना प्रदर्शन करते हुए बच्चों ने कहा कि हम लोगों को विद्यालय में प्रयाप्त मात्रा में जगह नहीं होने के चलते पठन-पाठन कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।जिसके चलते अच्छी शिक्षा ग्रहण करने में परेशानी होती है।छात्रों के हंगामा की सूचना मिलते ही बीडीओ कर्मजीत राम मौके पर पहुंच कर छात्रों को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया।उन्होंने कहा की विद्यालय में प्रयाप्त मात्रा में भवन नहीं होने के चलते छात्रों को पठन पाठन में दिक्कतें हो रही है।वही अधिनस्त विद्यालयों को खाली कराकर तत्काल छात्रों को शिक्षण कार्य शुरू होगी। एचएम उत्तम कुमार राय ने कहा की विद्यालय में 1300 छात्र नामांकन तक अनुमानित है।जिसमे विद्यालय में कमरे की संख्या मात्र 11 ही है। जिससे बच्चों को पठन-पाठन में परेशानी होती है। जिसकी सूचना मैने जिला शिक्षा पदाधिकारी को दे दिया हूं वही अंचलाधिकारी को मेरे द्वारा इसकी जानकारी दी गई विद्यालय में भूमि नहीं होने के वजह से मात्र 11 ही कमरे में छात्र पढ़ने के मजबूर है प्रधानाध्यापक उत्तम कुमार राय ने बताया कि मेरे पास विद्यालय में देने के लिए भूमि नहीं है । अंचल अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि इसकी सूचना जिला शिक्षा पदाधिकारी को मेरे द्वारा दी गई थी।उनकी अनुसंशा मिलते ही जल्द ही जमीन की व्यवस्था किया जाएगा।

### बीस सूत्री प्रखंड कार्यालय का उद्घाटन

**बीएनएम। बैरिया।** प्रखंड मुख्यालय परिसर में बीस सूत्री के प्रखंड कार्यालय का उद्घाटन शनिवार को बेतिया सांसद डॉ संजय जायसवाल एवं नौतन विधानसभा के विधायक नारायण प्रसाद ,जदयू के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सांसद डॉ संजय जायसवाल ने कहा कि आम जनों के प्रति बिहार सरकार को काफी शिकायत मिली थी। जिनके निर्देश पर बीस सूत्री का गठन हुआ और बिहार सरकार का यह निर्देश था कि हर ब्लॉक में अपना कार्यालय हो ताकि लोगों की समस्याओं व परेशानी को कम किया जा सके। नौतन विधानसभा के विधायक नारायण प्रसाद ने कहा कि ग्रामीणों के समस्या का समाधान होगा। जिसकी निगरानी के लिए यह कमेटी बनाया गया है। यहां पर दो लोगों को नियुक्त किया गया है। साथ ही समस्त घटक दलों का भी सहयोग है। इन लोगों को अच्छे से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने को कहा गया है। जदयू के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के द्वारा जिला व प्रखंड में विश्व सूत्री का गठन किया गया है। ताकि जनता के काम समय से हो सके। उन्होंने बताया कि बीस सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष अवध किशोर सिंह व प्रखंड उपाध्यक्ष बृजेश पटेल को बनाया गया है। जहां अलग-अलग कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

# जमुई में दो नक्सली गिरफ्तार

**लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र से पकड़े गए**

**नवनिर्मित विद्यालय को विस्फोटक से उड़ाने के मामलों में थे वांछित**

**बीएनएम। जमुई/बरहट**

जमुई जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के करमटांड़ गांव से पुलिस ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी हरि यादव उर्फ हरिलाल यादव और नरेश यादव हैं। दोनों करमटांड़ गांव के रहने वाले हैं।दोनों बरहट थाना क्षेत्र के चोरखार गांव स्थित नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय भवन को विस्फोटक से उड़ाने और जमुनियाँटांड़ प्राथमिक विद्यालय को उड़ाने और 2009 के लोकसभा चुनाव में पुलिसकर्मी को हत्या करने की मंशा से डेटोनेटर लगाकर छोड़ने सहित कई अपराधों में संलिप्तता के कारण बरहट थाने में तीन मामले दर्ज हैं। दोनों नक्सलियों पर विस्फोटक पदार्थ, सीएलए एक्ट के तहत केस चल रहे हैं। एसपी मदन कुमार आनंद को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। बरहट थाना अध्यक्ष कुमार संजीव ने अपनी टीम के साथ छापेमारी अभियान का नेतृत्व किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसपी ने कहा कि अपराध में संलिप्त नक्सलियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अपराधियों पर शिकंजा करने के लिए पुलिस निरंतर कदम उठाने में लगी है। ऐसे अपराधी यो की पहचान कर गिरफ्तारी करने का काम आगे भी जारी रहेगा। नक्सलियों की गिरफ्तारी से काफी हद तक आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगने की उम्मीद है। छापामारी टीम में बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव, बरहट के एसटीएफ चिता प्रभारी, नेसार आलम, लक्ष्मीपुर थाना के एस आई सावन कुमार सहित पुलिस बल मौजूद थे।

जमुई में गिरफ्तार आरोपित के साथ पुलिस अधिकारी

# गृहरक्षक भर्ती में अब तक 788 अभ्यर्थी सफल

**बीएनएम। लखीसराय**

गृहरक्षक भर्ती के लिए चल रही शारीरिक दक्षता परीक्षा के तीसरे दिन शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ। यह प्रक्रिया 30 अप्रैल से शुरू हुई थी। अब तक 3500 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए। इनमें से 2539 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।पहले दिन 30 अप्रैल को 700 अभ्यर्थियों को बुलाया गया। 478 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। 1600 मीटर दौड़ में 151 सफल रहे। सभी ने शारीरिक मापदंड भी पूरा किया। इन्हें मेधा सूची में शामिल किया गया।दूसरे दिन 2 मई को 1400 अभ्यर्थियों को बुलाया गया। 1034 ने भाग लिया। 375 दौड़ में सफल हुए। इनमें से 43 अभ्यर्थी ऊंचाई और सीना माप में फेल हो गए। अंत में 322 अभ्यर्थी मेधा सूची में शामिल हुए।तीसरे दिन 3 मई को 1400 अभ्यर्थियों को बुलाया गया। 1027 ने भाग लिया। 343 दौड़ में सफल हुए। 28 अभ्यर्थी शारीरिक माप में असफल रहे। 315 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। अब तक कुल 788 अभ्यर्थी मेधा सूची में शामिल हो चुके हैं। चयन प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

# ललन सिंह ने पूछा, राजद के एजेंडे में कब था जातीय जनगणना?

**बीएनएम। पटना**

केंद्र सरकार द्वारा जाति आधारित जनगणना की घोषणा के बाद बिहार में राजनीतिक पारा चढ़ गया है। विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण इस मुद्दे को सभी राजनीतिक दल भुनाने में जुटे हैं। खासकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) इसे महागठबंधन और अपनी पार्टी की जीत बता रही है। वहीं एनडीए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शिता का नतीजा कह रही है।इस बीच जेडीयू कोटे के केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर जोरदार हमला बोला है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, जातीय जनगणना आरजेडी के एजेंडे में कब से है? जब यूपीए-1 सरकार में लालू यादव की पार्टी प्रमुख सहयोगी थी, तब उन्होंने इस मुद्दे पर कभी आवाज नहीं उठाई।ललन सिंह ने आरोप लगाया कि लालू यादव ने उस समय मनमोहन सिंह सरकार पर बिहार विधानसभा भंग करने का दबाव बनाया था, लेकिन कभी जातीय जनगणना की मांग नहीं की। उन्होंने कहा, अगर लालू यादव जातीय गणना को लेकर गंभीर होते, तो यूपीए से समर्थन वापस लेकर सरकार गिरा सकते थे, लेकिन उन्होंने चुप्पी साधे रखी।उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जातीय जनगणना की घोषणा को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह सामाजिक न्याय की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में जातीय आंकड़ों को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई।

# स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण कार्य मे तेजी लाने को प्रशिक्षण

**बीएनएम। जमुई/ झाझा**

शनिवार को रेफरल अस्पताल में टीकाकरण कार्य मे तेजी लाने को लेकर आशाकर्मी, आशा फेसलिलेटर, एएनएम के बीच एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमें प्रशिक्षक के रूप में मौजूद पीसीआई के जिला समन्यवक डॉ अभय नाथ, प्रखंड समन्यवक प्रिंस कुमार, यूनिसेफ से शिवानी कुमारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, स्वास्थ्य प्रबन्धक सुभाषचंद्र, अस्पताल प्रबन्धक नवनीत कुमार मौजूद होकर प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। प्रशिक्षक ने बताया कि टीकाकरण कार्य बच्चों में होने से बच्चों को चेचक, हेपेटाइटिस सहित अन्य बीमारी से बचाव होता है। इसलिए अपने क्षेत्रों में लोगों को टीकाकरण से होने वाले फायदों के बारे में जागरूक कर टीकाकरण के कार्य को तेजी से बढ़ाये। प्रशिक्षण के दौरान क्षेत्र में काम करने वाली स्वास्थ्यकर्मियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया कि नियमित टीकाकरण से शिशु, गभवर्ती महिलाओं के लिए कितना आवश्यक है और टीकाकरण से क्या फायदा है। प्रशिक्षक ने बताया कि अपने अपने क्षेत्र में लोगों को यह बताना होगा कि टीकाकरण किस तरह शिशु, गर्भवती महिलाओं के लिए लाभदायक है। प्रशिक्षक ने आगे बताया की नियमित टीकाकरण के कार्य मे तेजी लाए ताकि जो लक्ष्य है वह हासिल कर सके। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य प्रबंधक, अस्पताल प्रबन्धक ने भी प्रशिक्षण ले रही स्वास्थ्य कर्मी को आवश्यक बिंदुओ से अवगत करवाते हुए बताया कहा कि टीका पड़ने से शरीर मे बीमारी से बचाव होता है और बीमारी से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम मेंउपस्थित स्वास्थ्यकर्मी

# सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नौतन में अहिल्या बाई होल्कर जयंती पर मातृ सम्मेलन का भव्य आयोजन

**बीएनएम। बेतिया**

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नौतन में अहिल्या बाई होल्कर की जयंती के अवसर पर मातृ सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, प्रदेश सचिव रामलाल सिंह तथा विभाग निरीक्षक अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। आए हुए अतिथियों का स्वागत विद्यालय के गुरुजनों ने अंग वस्त्र और फूल मालाओं से किया। सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से अभिभावकों एवं अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की छात्राओं ने प्रवेश द्वार पर पारंपरिक रीति से चंदन तिलक कर, मिठाई खिलाकर अभिभावकों और अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अपने विचार साझा किए। संगठन मंत्री ख्यालीराम ने मातृ संगठन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "नारी ही सृजनकर्ता है, निर्माणकर्ता है और आवश्यक होने पर विध्वंस भी कर सकती है। देश के विकास में नारी शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।" इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, प्रधानाचार्य रंजीत कुमार भास्कर सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकगण दीपक कुमार, मनोज कुमार, रमाशंकर कुमार, अमित कुमार, फुलेना कुमार आदि उपस्थित रहे।

# भूमि सर्वेक्षण को लेकर रैयतो को किया गया जागरूक

**बीएनएम। मोतिहारी**

बिहार विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यक्रम के अंर्तगत शनिवार को जिले के मधुबन अंचल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रैयतो को सर्वे से संबंधित विशेष जानकारी दी गई। इसमें रैयतो द्वारा स्वघोषणा के बारे में प्रपत्र 2 एवं प्रपत्र 3 (1) सहित कई जानकारियों दी गई।साथ,ही रैयतो द्धारा भूमि सर्वेक्षण को लेकर उत्पन्न विभिन्न भ्रांतियो का भी निवारण किया गया। बताया गया,कि हर रैयत को स्वघोषणा में अपनी भूमि से संदर्भित जानकारी निश्चित रूप से देना आवश्यक है।मौके पर मधुबन अंचलाधिकारी,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी,सर्वे कर्मी,कानूनगो एवं अंचल क्षेत्र के सभी पंचायतो के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

### तीन लोग गम्भीर रूप से घायल

**बीएनएम। जमुई / झाझा**

शुक्रवार की रात्रि में थानाक्षेत्र के चपोडिया गांव के पास दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में दोनो बाइक चालक के साथ एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। एक बाइक पर सवार घायल की पहचान सहिया गांव के रहने वाले बीरेंद्र यादव और उसका साढू योगियाटिला गांव के रहने वाले टुनटुन यादव तथा दूसरे बाइक पर सवार घायल की पहचान सोनो के रहने वाले अमित कुमार पंडित के रूप में हुई। स्थानीय लोगों के द्वारा घटना देखकर डायल 112 पर सूचना दिया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की पुलिस ने सभी घायलों को उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा लाया जहां सभी घायलों का इलाज किया गया। घायल बीरेंद्र ने बताया कि मैं मेरा साढू और मेरा भाई एक ही बाइक से शादी के निमंत्रण में छप्परडीह गांव जा रहा था जिसमे सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दिया। वही घायल अमित ने अपने जीजा के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए आस्ता गांव की ओर जा रहा था। घटना में तीनों की स्थिति नाजुक बने रहने के कारण डॉक्टर ने सभी घायलों को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया।

# जातीय जनगणना पर तेजस्वी ने पीएम को लिखा पत्र

» सामाजिक न्याय के लिए ठोस कदम उठाने की मांग

**बीएनएम। पटना**

केंद्र सरकार द्वारा देशभर में जातीय जनगणना कराने की घोषणा के बाद बिहार की राजनीति में नए सिरे से हलचल शुरू हो गई है। इस मुद्दे को लेकर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तारपूर्ण पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने जातीय जनगणना को महज आंकड़ों की प्रक्रिया न मानते हुए उसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक निर्णायक अवसर बताया है।तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में कहा है कि वर्षों तक एनडीए और केंद्र सरकार जातीय जनगणना की मांग को गैरजरूरी और विभाजनकारी कहकर खारिज करती रही। जब बिहार ने अपने संसाधनों से जातीय सर्वेक्षण कराया, तब केंद्र सरकार और उसके सहयोगियों ने इस पर सवाल उठाए और कानूनी अड़चनें खड़ी की।उन्होंने लिखा कि बिहार के जातीय सर्वेक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि ओबीसी और ईबीसी वर्ग की हिस्सेदारी राज्य की आबादी में 63 फीसदी है, लेकिन ये वर्ग हर क्षेत्र में हाशिए पर है। उन्होंने इस तथ्य को पूरे देश में समान पैटर्न का संकेत बताते हुए मांग की जातीय जनगणना के आंकड़ों के आधार पर आरक्षण और सामाजिक योजनाओं का पुनर्गठन किया जाए।तेजस्वी ने परिसीमन प्रक्रिया में भी जातिगत आंकड़ों को शामिल करने की मांग करते हुए कहा कि ओबीसी और ईबीसी को संसद और विधानसभाओं में अनुपातिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने निजी क्षेत्र को भी सामाजिक न्याय की प्रक्रिया में सहभागी बनाने की वकालत की और कहा कि सार्वजनिक संसाधनों का लाभ लेने वाले उद्योगों को सामाजिक विविधता और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना होगा।पत्र के अंत में तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से लिया गया जातीय जनगणना का निर्णय ऐतिहासिक है, लेकिन इसे सिर्फ घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने इसे सामाजिक सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक पुनर्रचना का अवसर बताते हुए लिखा कि देश के करोड़ों वंचित नागरिक अब केवल गिनती नहीं, बराबरी और गरिमा की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

# झाझा रेफरल अस्पताल में लगी ईसीजी मशीन

**मरीजों को मिली सुविधा**

**बीएनएम। जमुई/झाझा**

झाझा रेफरल अस्पताल में मरीजों के बेहतर इलाज के लिए ईसीजी मशीन लगाई गई है। अब तक अस्पताल में ईसीजी की सेवा नही मिलने के कारण मरीजों को प्राइवेट से ईसीजी करवाकर अस्पताल में डॉक्टर को दिखाते थे लेकिन अब यह समस्या अस्पताल से दूर हो गई। झाझा रेफरल अस्पताल के प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया कि मरीजों के लिए निशुल्क सेवा प्रदान होने से क्षेत्र के लोगों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। इस अस्पताल में ईसीजी सेवा नही रहने के कारण मरीजों को इलाज में परेशानी हो रही थी। खासकर क्षेत्र के गरीब लोग के पास आर्थिक परेशानी रहने के कारण प्राइवेट में भी ईसीजी नही करवा पाते थे। जिससे वह अपनी बीमारी का सम्पूर्ण इलाज नही करवा पाते थे। इन सभी समस्याओं को देखते हुए ईसीजी सेवा अस्पताल में मुहैया करवाने को लेकर लगातार राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार से लेकर जिला स्वास्थ्य समिति को पत्र लिखकर ईसीजी सुविधा नही रहने के कारण हो रही परेशानी से अवगत करवाया गया। जिसपर अस्पताल में यह सुविधा मुहैया हो गई। जिसका जल्द ही सुचारू रूप से मरीजों के बीच सेवा शुरू कर दी जाएगी । अस्पताल प्रबन्धक ने कहा कि राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार की ओर से सरकारी अस्पताल को हाईटेक किया जा रहा है।

# भारत की राष्ट्रीय शक्ति की परीक्षा

**भारत इस नतीजे पर है कि पहलगाम हमले को पाकिस्तान के संरक्षण में अंजाम दिया गया। इसलिए इस रास्ते से पाकिस्तान को हटने पर मजबूर करने से पहले रुख नरम ना किया जाए। यह भारत की राष्ट्रीय शक्ति की परीक्षा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को सख्त पैगाम देने के कदम उठाए हैं। मगर उनका असर तभी होगा, जब उनके जरिए आर-पार का परिणाम हासिल किया जाए। तात्पर्य यह कि चूंकि भारतीय जांचकर्ता इस नतीजे पर हैं कि आतंकवादी हमले को पाकिस्तान के संरक्षण में अंजाम दिया गया, तो उचित यह होगा कि इस रास्ते से पाकिस्तान को हटने पर मजबूर करने से पहले रुख नरम ना किया जाए। इस रूप में यह भारत की राष्ट्रीय शक्ति एवं संकल्प की परीक्षा है। अतीत के अनुभवों से स्पष्ट है कि प्रतीकात्मक कार्रवाइयों से भारत विरोधी आतंकवादी ढांचा खत्म नहीं किया जा सका। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हमले के बावजूद यह ढांचा बरकरार रहा और हर कुछ अंतराल पर भारत का खून बहाता रहा है, तो अब जरूरत उससे आगे बढ़ने की है। ठोस परिणाम हासिल करने के लिए जरूरी होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के दबाव में ना आए। अब तक की प्रतिक्रियाओं से साफ है कि अमेरिका ने फिलहाल इस मामले से खुद को अलग रखने का फैसला किया है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का यह कहना कि दोनों देश उनके करीबी हैं और वे 'इस मामले को खुद हल कर लेंगे , उनके प्रशासन की अंतरराष्ट्रीय विवादों में ना उलझने की नीति के अनुरूप है। अन्य हलकों से भी भारत को अधिक समर्थन मिलने की आशा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगाम संबंधी प्रस्ताव को अपने हक में नरम बनवा लेने में पाकिस्तान कामयाब रहा। इसमें उसे चीन का साथ मिला। मगर हैरतअंगेज यह है कि पश्चिमी देशों और रूस ने भी पाकिस्तान का नाम लेकर निंदा या भारत की जांच से सहयोग करने की बात को प्रस्ताव से हटाने का विरोध नहीं किया। ईरान, सऊदी अरब, और मिस्र मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, ताकि तनाव नियंत्रित हो सके।**

# शंकराचार्यः एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की नींव रखी

हृदयनारायण दीक्षित

शंकराचार्य छठी सदी के मध्य जन्मे थे। अतिविशिष्ट महानुभावों के जन्म स्थल और जन्मतिथि पर अक्सर विवाद रहता है। आर.जी. भंडारकर के अनुसार शंकराचार्य का जन्म सन् 680 में हुआ था। प्रख्यात विद्वान मैक्समूलर के अनुसार शंकर का जन्म 788 ईस्वी में हुआ था। यही तिथि मैकडनल को भी मान्य है। शंकराचार्य का जीवन अल्पकाल का था। इस अल्पकाल में उन्होंने दुनिया के सभी विद्वानों की तुलना में सभी विषयों पर बड़ा काम किया। ज्ञान और कर्म दोनों ही उनके जीवन में शीर्ष पर पहुंचे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने 'भारतीय दर्शन' (हिंदी अनुवाद पृष्ठ 384) में लिखा है कि, "बाल्यावस्था में ही 8 वर्ष की आयु में उन्होंने गहन अभिलाषा प्रसन्नता के साथ सब वेदों को कंठस्थ कर लिया था। वे प्रकट रूप में वैदिक ज्ञान तथा स्वतंत्र प्रज्ञा से युक्त तेजस्वी व्यक्ति थे। वे संन्यासी हो गए थे। किन्तु वीतरागी परिव्राजक नहीं थे।" आचार्य गृहस्थ जीवन त्याग राग-द्वेष से मुक्त होकर एकांतवास करने वाले सामान्य योगी नहीं थे। मजेदार बात है कि दर्शन में संसार को मिथ्या सिद्ध करने वाले आचार्य शंकर संसार और समाज को सत्य और आनंद से भरने के लिए सक्रिय थे इसलिए उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया था। उन्होंने जगह-जगह प्रवचन किए। तर्क हुए। सत्य का विशुद्ध प्रकाश था उनके अन्तस्तल में। एक आचार्य के रूप में उन्होंने स्थान-स्थान पर भ्रमण किया। विभिन्न मतों के नेताओं के साथ संवाद और शास्त्रार्थ हुए। परंपरागत वर्णनों के अनुसार, वे अपनी विजय यात्राओं में कुमारिल और मण्डन मिश्र के संपर्क में आए। आगे चलकर मण्डन मिश्र उनके शिष्य बने। अमरूक के मृत शरीर में शंकर के प्रवेश करने की कहानी यह प्रकट करती है कि शंकर योग सम्बंधी क्रियाओं में निपुण थे। उन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता के लिए चार मठों की स्थापना की। जिनमें मुख्य मैसूर प्रांत में श्रृंगेरी में है। अन्य तीन मठ क्रमशः पूर्व में पुरी में, पश्चिम में द्वारका में और हिमालय प्रदेश में बद्रीनाथ में है। समूचे विश्व में दो दिन पहले प्रख्यात दार्शनिक शंकराचार्य की जयंती के उत्सव आयोजित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि तीन वर्ष पूर्व सितंबर में उन्हें आदि शंकराचार्य के पवित्र जन्मस्थान का दौरा करने का सौभाग्य मिला था। आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा उनके संसदीय क्षेत्र काशी में विश्वनाथ धाम परिसर में स्थापित की गई है। प्रतिमा आदि शंकराचार्य के विशाल आध्यात्मिक ज्ञान और शिक्षाओं के प्रति सम्मान है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के पवित्र केदारनाथ धाम में आदि शंकराचार्य की दिव्य प्रतिमा का अनावरण करने का भी उल्लेख किया। मोदी ने रेखांकित किया कि केरल से निकल कर आदि शंकराचार्य ने देश के विभिन्न भागों में मठों की स्थापना करके राष्ट्र की चेतना को जगाया। उन्होंने एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की नींव रखी। शंकराचार्य ने भारत के अद्वैत दर्शन को लेकर तमाम अभियान चलाए थे। उन्होंने देश की सांस्कृतिक एकता के लिए लगातार अभियान चलाए। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम एकात्म ब्रह्म-दर्शन की धूम थी। शंकराचार्य विरल थे। अविश्वसनीय शिखर ऊँचाई से भी ऊंचे।

पाताल की गहराई से भी गहरे। ब्रह्म की तरह प्रज्ञानी। उन्होंने अद्वैत दर्शन के सूक्ष्म सूत्रों का भाष्य किया। उन्होंने ज्ञान के समकालीन मानदण्डों, विश्वास व प्राचीन सूत्रों का प्राचीन परंपराओं के साथ समन्वय किया। शंकराचार्य के समय की परिस्थितियाँ विचारणीय हैं। दक्षिण भारत में बौद्ध धर्म का ह्रास हो रहा था। जैन मत शिखर पर था। वैदिक परंपरा का भी ह्रास हो रहा था। शैव मतावलंबी भक्त (उदियार) और वैष्णव मत वाले भक्त (आलवार) भक्ति मार्ग का प्रचार कर रहे थे। मंदिरों में पूजा, पाठ, पर्व, त्यौहार प्रचलित थे। कुमारिल और मण्डन मिश्र ने अपने बौद्धिक ज्ञान के बल पर ज्ञान और संन्यास के महत्व को कम किया था। दोनों ने गृहस्थ आश्रम की उपयोगिता पर अधिक बल दिया था। इसी वातावरण में शंकराचार्य की प्रतिभा का विस्फोट हुआ था। वे सनातन धर्म के रक्षक थे और रूढ़ियों के विरोध में अभियान चला रहे थे। पूरे देश में वैदिक दर्शन की जगह पुराण ले रहे थे। शंकराचार्य ने पुराणों के प्रकाशमान स्वर्ग आकांक्षी युग के स्थान पर उपनिषदों के सत्य को फिर से लौटा लाने का अभियान चलाया। उन्होंने संपूर्ण भारत में धर्मसत्य को प्रवर्तित करने का काम किया। धर्म की शक्ति को बड़ा बताया। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है कि, "उन्होंने अपने युग को धार्मिक दिशा में मोड़ने के प्रयत्न करने में अपने को विवश पाया। इसकी सिद्धि उन्होंने एक ऐसे दर्शन व धर्म की व्यवस्था के द्वारा सम्पन्न की जो बौद्ध धर्म, मीमांसा तथा भक्ति धर्म की अपेक्षा जनता की आवश्यकताओं को कहीं अधिक सन्तोषप्रद सिद्ध हो सकती थी। आस्तिकवादी सत्य को भावावेश के कुहरे से आवृत्त किए हुए थे। रहस्यवादी अनुभव प्राप्त करनेवाली अपनी प्रतिभा से सम्पन्न वे लोग जीवन की क्रियात्मक समस्याओं के प्रति उदासीन थे। मीमांसकों द्वारा कर्म के ऊपर दिए गए बल से एक आत्मविहीन क्रियाकलाप का विकास हुआ।" वस्तुतः धर्म जीवन के अंधकारमय संकटों का सामना करके केवल उसी अवस्था में जीवित रह सकता है जब यह उत्तम विचार का उत्तम परिणाम हो। शंकर की सम्मति में अद्वैत दर्शन ही एकमात्र परस्पर विरोधी सम्प्रदायों में निहित सत्य है। वही उसकी न्यायोचितता का प्रतिपादन कर सकता है। उन्होंने अपने सब ग्रन्थों का निर्माण एक ही उद्देश्य को लेकर किया, अर्थात जीवात्मा को ब्रह्म के साथ अपने एकत्व को पहचानने में सहायक सिद्ध होने के लिए और यहीं इसी संसार में मोक्ष प्राप्ति का उपाय है। उन्होंने केरल के अपने जन्म स्थान दक्षिण से उत्तर की यात्रा की। उत्तर में हिमालय तक उन्हें पूजा व उपासना के अनेक रूप देखने को मिले। उन्होंने सभी उपासना पद्धतियों को स्वीकार किया। अभियान में संपूर्ण मानवता को उच्चस्तरीय मेधा संपन्न बनाने का ध्येय था। उन्होंने सनातन धर्म के सभी देवताओं की उपासना को उचित ठहराया। विष्णु, शिव, शक्ति (देवी) और सूर्य आदि प्रकाशमान देवताओं के लिए विशेष छंदों की रचना की। तत्कालीन धर्म आचार में नए प्राण डालने का काम किया। उन्होंने दक्षिण भारत में शक्ति पूजा की मूर्त रूप अभिव्यक्ति को उचित नहीं पाया। शरीर को विविध चिन्हों से दागने की प्रथा को भी अनुचित ठहराया। महापुरुषों के जीवन में अंतर्विरोध होते हैं। आचार्य शंकर के जीवन में श्रीराम के जीवन की तरह विरोधी भावों का समन्वय है। श्रीराम कोमल हैं, तो युद्ध में कठोर भी हैं। वे सामान्य मानवों की तरह विचलित होते हैं और ऐश्वर्यवान देवता की तरह निर्लिप्त भी हैं। शंकराचार्य समाज सुधारक हैं। ज्ञान प्रचारक हैं। कवि हैं। परम विद्वान और ज्ञानी पंडित हैं। योगी हैं। शैव हैं। संत हैं और वैरागी भी हैं। तरुणाई में वे परम जिज्ञासु बौद्धिक हैं। वस्तुतः वे प्रशांत अद्वैतवादी हैं और ज्ञान को ही मुक्ति का उपाय बताते हैं लेकिन भक्ति को त्याज्य नहीं बताते। अद्वैतवादी शंकर की प्रतिभा अद्वितीय है। डॉक्टर राधाकृष्णन ने सही कहा है कि, "वे हमारी जानकारी से ज्यादा महान हैं। सामाजिक क्षेत्र में उनके समान मेधावी बहुत कम हैं।"

## सूडोकु नवताल- 7420

सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 7 | 9 | 4 | 2 | | 6 | | 3 |
| | 6 | | 8 | | 7 | | 2 | |
| 4 | 1 | | | | 3 | 5 | 8 | |
| | 9 | 8 | 3 | | | | | |
| 7 | | 4 | | 5 | | 8 | | 1 |
| | | | | | 9 | 7 | 3 | |
| | 8 | 5 | 7 | | | | 4 | 6 |
| | 2 | | 9 | | 1 | | 5 | |
| 3 | | 1 | | 6 | 8 | 9 | 7 | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7419 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 9 | 5 | 1 | 3 | 7 | 2 | 4 | 6 |
| 7 | 3 | 2 | 6 | 5 | 4 | 1 | 8 | 9 |
| 1 | 6 | 4 | 8 | 9 | 2 | 7 | 5 | 3 |
| 5 | 7 | 3 | 4 | 2 | 9 | 6 | 1 | 8 |
| 4 | 2 | 8 | 5 | 6 | 1 | 3 | 9 | 7 |
| 6 | 1 | 9 | 3 | 7 | 8 | 5 | 2 | 4 |
| 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 6 | 8 | 7 | 2 |
| 2 | 4 | 6 | 7 | 8 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 8 | 7 | 2 | 1 | 3 | 4 | 6 | 5 |

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथः एक बीमारू राज्य को कैसे विकसित में बदल रहे हैं

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी आबादी 22 करोड़ से ज़्यादा है और इसे वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ को सौंपा गया था। किसी भी अन्य राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना में यह सबसे कठिन काम था। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यूपी आर्थिक रूप से सबसे खराब राज्य था लेकिन सामाजिक रूप से यह और भी बदतर था, जहाँ जबरन वसूली, ज़बरदस्ती, अपहरण, ज़मीन जिहाद, लव जिहाद, बलात्कार, डर के कारण कोई बड़ा निवेश नहीं, मध्यम और गरीब वर्गों का माफिया शोषण और वोटबैंक की राजनीति ने राज्य को सबसे खराब स्थिति में डाल दिया था। जब सीएम योगी ने पदभार संभाला तो कई बुद्धिजीवियों और विपक्षी सदस्यों ने उनकी वेशभूषा और साधुता का मज़ाक उड़ाया, साथ ही इस विचार का भी मज़ाक उड़ाया कि एक संन्यासी सीएम के रूप में कैसे काम कर सकता है। सीएम योगी जैसे संन्यासी के लिए यह कठिन काम, जिनकी कोई वंशवादी पृष्ठभूमि नहीं है लेकिन एक मजबूत राष्ट्रवादी मानसिकता और कोई व्यक्तिगत मकसद नहीं है, उन्होंने पिछले आठ वर्षों के जन-समर्थक, विकास-समर्थक शासन में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। यही बीमारू राज्य अब आर्थिक रूप से दूसरा सबसे विकसित राज्य है तथा कानून-व्यवस्था में बहुमूल्य सुधार हुआ है, जिसकी किसी ने इतने कम समय में कल्पना भी नहीं की थी।

**बेहतर प्रशासक-** यदि कोई बेहतर प्रशासक के रूप में उनकी क्षमताओं का पता लगाना चाहता है तो बस प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का विश्लेषण कर ले। केवल 45 दिनों में, 66 करोड़ व्यक्तियों ने दौरा किया, जो अमेरिका और कई यूरोपीय देशों की आबादी से अधिक था। यहां तक कि विकसित देश भी इस तरह के असामान्य, अप्रत्याशित आयोजन की सफलतापूर्वक कल्पना नहीं कर सकते। एक संन्यासी सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और धर्म के पालन के मामले में चमत्कार कर सकता है। विभिन्न विद्वानों, बुद्धिजीवियों और विश्वविद्यालयों को सीएम योगी की विशेषताओं, आंतरिक और बाहरी ताकत के बारे में जानने के लिए महाकुंभ पर गहन शोध करना चाहिए। उन्होंने किसानों, महिलाओं और व्यापारियों के शत्रु को उनकी राजनीतिक और अवैध रूप से अर्जित धन शक्ति की अनदेखी करके उन्हें मारकर या कैद करके पूरी तरह से अक्षम कर दिया है। जैसा कि उन्होंने दुनिया को सभी की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार किया, निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे यूपी दूसरे नंबर की आर्थिक स्थिति में पहुंच गया। उन्होंने वोट पाने के लिए प्रतिद्वंद्वी दलों के एकतरफा धर्मनिरपेक्षता के फर्जी एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। यदि वह अगले दस वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने रहते हैं, तो उत्तर प्रदेश 2030 तक भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

**योगी सरकार की प्रमुख उपलब्धियाँः**

1. **ग्रामीण विकास और कल्याण पहलः शौचालय निर्माणः** स्वच्छ भारत अभियान ने 2.62 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं, जिससे ग्रामीण घरों में स्वच्छता आई है। मुफ्त राशन वितरणः महामारी के दौरान, सरकार ने लगभग 14.7 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरित किया, जिससे गरीबों की तकलीफें कम हुईं। उज्ज्वला योजनाः 1.86 करोड़ से अधिक उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए हैं, जिससे घरों में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को बढ़ावा मिला है। सभी के लिए आवासः पिछले आठ वर्षों में वंचितों के लिए 56 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं, जिससे जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

2. **मजबूत कानून और व्यवस्था ढांचाः पुलिस सुधारः** सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना, साथ ही विशेष सुरक्षा बल (UPSSF) के गठन से कानून प्रवर्तन दक्षता में सुधार हुआ है। अपराध का मुकाबलाः सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, जिसमें 222 से अधिक कुख्यात अपराधी मारे गए और मुठभेड़ों में 8,000 से अधिक घायल हुए। महिला सुरक्षाः महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड और तीन महिला पीएसी बटालियन की स्थापना की गई। इसके अलावा, महिलाएं अब रात के समय पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) का इस्तेमाल कर सकती हैं।

3. **स्मार्ट सिटीज और इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंटः** योगी सरकार ने शहरी विकास का नेतृत्व किया है, 125 नई नगर पालिकाओं की स्थापना की है और 17 शहरों को स्मार्ट सिटी में बदल दिया है। मेट्रो कनेक्टिविटीः नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और आगरा जैसे प्रमुख शहरों ने मेट्रो सेवाओं को लागू किया है, जिससे सार्वजनिक परिवहन में काफी सुधार हुआ है।

# राष्ट्रवाद की धारणा बिहार चुनाव को प्रभावित करेगी

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जनसभा बिहार में हुई, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री की खूब आलोचना हो रही है और एक दुखद घटना का राजनीतिक इस्तेमाल करने के आरोप भी लग रहे हैं। इस सिलसिले में सवाल उठाने वाली एक लोक गायिका के ऊपर उत्तर प्रदेश में मुकदमा भी हो गया है। सवाल है कि क्या यह घटना और इसके तुरंत बाद बिहार की धरती से प्रधानमंत्री का आतंकवादियों को कल्पनातीत सजा देने के ऐलान का बिहार के चुनाव में भाजपा और एनडीए को लाभ होगा? इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन इतना तय है कि यह घटना चुनाव को कई तरह से प्रभावित करेगी। पहलगाम कांड और उस पर संभावित प्रतिक्रिया से राष्ट्रवाद और देशभक्ति की जो भावना पैदा होगी वह लोगों के मतदान व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। हो सकता है कि पुलवामा के बाद हुए लोकसभा चुनाव जैसी सुनामी नहीं आए फिर भी राष्ट्रवाद की धारणा चुनाव को प्रभावित करेगी। असल में बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा वैसे काम नहीं करता है, जैसे लोकसभा चुनाव में करता है। विधानसभा चुनाव में धर्म या सांप्रदायिकता का एजेंडा विफल ही साबित होता है। भाजपा 2015 में इसे आजमा चुकी है। विधानसभा चुनाव में जाति का समीकरण ज्यादा कारगर होता है। तभी सवाल है कि धर्म या सांप्रदायिकता की तरह क्या राष्ट्रवाद का मुद्दा भी काम नहीं करेगा? क्या देशभक्ति का मुद्दा भी लोगों को एनडीए के पक्ष में एकजुट होने के लिए मजबूर नहीं करेगा? यह बड़ा सवाल है। इस पर बिहार चुनाव का बहुत कुछ निर्भर करेगा। प्रधानमंत्री की मधुबनी की 24 अप्रैल की जनसभा को इस नजरिए से देखने की जरुरत है। उन्होंने अपनी सभा में कोई हिंदू-मुस्लिम वाली बात नहीं कही। सबको पता है कि पहलगाम में आतंकवादियों ने लोगों से धर्म पूछ कर उनको गोली मारी। लोगों को कलमा पढ़ने को कहा गया और जो नहीं पढ़ पाया उसे गोली मार दी गई। लेकिन प्रधानमंत्री ने जान बूझकर इसका जिक्र नहीं किया। पता नहीं आगे क्या होगा? हो सकता है कि आगे धर्म के आधार पर हत्या का जिक्र किया जाए लेकिन पहली सभा में प्रधानमंत्री का भाषण राष्ट्रवाद और देशभक्ति पर केंद्रित रहा। उन्होंने पहलगाम की घटना को देश की आत्मा पर हमला बताया और संकल्प किया कि घटना को अंजाम देने वालों को ऐसी सजा मिलेगी, जिसकी उन्होंने कल्पना नहीं की होगी। अब आने वाले दिनों में आतंकवादियों के खिलाफ और पाकिस्तान के खिलाफ जो भी कार्रवाई होगी उसका जिक्र बिहार के संदर्भ के बगैर नहीं होगा। यह कहा जाएगा और खासतौर से बिहार के लोगों को याद दिलाया जाएगा कि प्रधानमंत्री ने बिहार की धरती पर ही संकल्प किया था कि आतंकवाद को मिटा देंगे। यह अपने आप बिहार के लोगों में गर्व की भावना भड़ने वाली बात होगी। उनकी नसों राष्ट्रवाद का उफान भरने वाली होगी। इसके साथ धर्म का मामला स्वाभाविक रूप से जुड़ेगा। वह एक अंतर्धारा की तरह होगा। जितना प्रत्यक्ष अभी है उतना नहीं होगा। अभी खुल कर यह बात कही जा रही है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर लोगों की हत्या की। इस आधार पर कहा जा रहा है कि अब यह धारणा टूट गई कि आतंकवाद का धर्म नहीं होता है। आतंकवाद का धर्म होता है और वह हिंदू विरोधी है। गौरतलब है कि पहलगाम की घटना के तुरंत बाद राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुखपत्र 'पांचजन्य की ओर से सोशल मीडिया में पोस्ट डाली गई कि, 'उन्होंने धर्म पूछा जाति नहीं। इसका मतलब है कि जाति नहीं धर्म पर ध्यान देने की जरुरत है। उधर बिहार में सभी पार्टियां अपना अपना जातिगत समीकरण बैठाने में लगी हैं। ऐसे में अचानक यह नैरेटिव बने कि जाति नहीं धर्म महत्वपूर्ण है और धर्म सिर्फ पहचान के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए सबसे अहम तत्व है, तो क्या होगा? जाति तोड़ने के लिए धर्म की इस अंतर्धारा के ऊपर राष्ट्रवाद का मुलम्मा चढ़ा होगा, जो चुनाव को प्रभावित करेगा। ध्यान रहे बिहार में महिलाएं नीतीश कुमार का समर्थन करती रही हैं। अगर वे बदलना चाह रही होंगी तब भी पहलगाम में नवविवाहित महिलाओं के सामने उनके पतियों को गोली मारने की घटना उनके ऊपर असर डाल सकती है। यह भी सवाल है कि क्या धर्म और राष्ट्रवाद की धारणा इतनी प्रबल होगी कि वह 20 साल के नीतीश कुमार के राज के खिलाफ पैदा एंटी इन्कम्बैंसी को समाप्त कर देगी? लोग भूल जाएंगे कि बिहार में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है? बिहार विकास के हर पैमाने पर सबसे नीचे है? टिकाऊ विकास के सारे लक्ष्यों में बिहार सबसे नीचे है? सबसे ज्यादा अशिक्षा, गरीबी और पलायन बिहार में है? लोग क्या यह भी भूल जाएंगे कि नीतीश कुमार की मानसिक अवस्था अब शासन संभालने वाला नहीं रह गई है? प्रशांत किशोर ने बड़ी मेहनत से लोगों को मन में यह बात बैठाई है कि बिहार को बदलाव की जरुरत है। क्या लोग बदलाव की जरुरत को भूल जाएंगे? पता नहीं! इस समय इन सवालों का जवाब मुश्किल है। लेकिन इतना तय है कि प्रशांत किशोर और तेजस्वी यादव दोनों के लिए पहलगाम की घटना से नई चुनौतियां पैदा हो गई हैं। ये दोनों एनडीए के वोट आधार में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर बिहार और बिहारियों के जीवन से जुड़े मुद्दे राष्ट्रवाद, देशभक्ति और धार्मिक ध्रुवीकरण के एजेंडे से ढक जाते हैं तो प्रशांत किशोर के लिए ज्यादा मुश्किल होगी क्योंकि उनके पास कोई जातीय समीकरण नहीं है। वे बदलाव की आकांक्षा रखने वाले वर्ग के सहारे राजनीतिक सफलता की उम्मीद कर रहे हैं। इसके अलावा उनकी उम्मीद एनडीए खास कर जनता दल यू के वोट से भी जुड़ी हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि नीतीश की सेहत बिगड़ने और उनके हाशिए में जाने से उस वोट का एक बड़ा हिस्सा प्रशांत किशोर की ओर जा सकता है। पिछले दिनों सी वोटर के सर्वे में भी दिखा कि नीतीश कुमार की लोकप्रियता 18 से घट कर 15 हुई तो प्रशांत किशोर की 15 से बढ़ कर 17 फीसदी हो गई। प्रशांत किशोर की लोकप्रियता सीधे तौर पर नीतीश कुमार की अलोकप्रियता के समानुपातिक है। लेकिन अगर नीतीश कुमार के चेहरे से चुनावी विमर्श हट जाता है तो प्रशांत किशोर के लिए समस्या होगी। जहां तक राजद के नेतृत्व वाले 'इंडिया ब्लॉक की बात है तो ध्रुवीकरण चाहे राष्ट्रवाद के नाम पर हो या सांप्रदायिकता के आधार पर हो, सबसे बड़ा नुकसान उसी को होना है। हालांकि नुकसान कम करने के लिए राजद, कांग्रेस और 'इंडिया ब्लॉक की दूसरी पार्टियां भी पहलगाम हमले के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। आतंकवादियों और पाकिस्तान को निशाना बना रही हैं।

# आज का राशिफल

**मेष राशि-** आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में भागदौड़ करेंगे। इस राशि के छात्र जो किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जल्द सफलता मिलेगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे। गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। व्यापारियों को आज अधिक लाभ होगा। आज आपके स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव हो सकता है।

**वृष राशि-** आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनाये रखेगा, साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। आज आपके विरोधी आपसे काम में आपकी राय मांगेंगे। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आएगा। ट्रांसफर से जुड़ी अच्छी खबर मिलेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा।

**मिथुन राशि-** आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। आप अपने व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब इंजॉय करेंगे। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। शिक्षकों के ट्रांसफर की परेशानियां खत्म होंगी। आज व्यापार में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा।

**कर्क राशि-** आज आपका दिन अच्छा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में प्रयासरत छात्रों को जल्द सफलता मिलेगी। आज रास्ते पर किसी जरूरतमंद की मदद करने का मौका मिलेगा, इससे आपको बेहद खुशी मिलेगी। आज किसी सामान की श्वरूढ़ पूरी हो जाएगी, नया सामान लेने का मन बनायेंगे। आज बच्चे आपसे किसी निर्णय में आपकी राय मांगेंगे। आज ऑफिस के कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

**सिंह राशि-** आज आपका दिन नई उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग, आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। आपकी बात करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के मौके बढ़ेंगे। परिवार में एक दूसरे को समझकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है।

**कन्या राशि-** आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते है। आज आपका मन किसी रचनात्मक कार्य में लगेगा। आज लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा जो आपके लिए मददगार साबित होगा। होटल के कारोबारियों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होने वाला है। साथ ही आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

**तुला राशि-** आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी कंपनी में जॉब मिलेगी। छात्रों का आज पढ़ाई में मन लगेगा। साथ ही किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आज किसी को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। अपने रुके कार्य को पूरी मेहनत से आज पूरा कर लेंगे। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द्र बढ़ेगा, साथ ही बच्चों के साथ पिकनिक का प्रोग्राम बना सकते हैं। बॉस आपकी मेहनत से खुश होंगे। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा।

**वृश्चिक राशि-** आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे, उनके मन की बातों को समझेंगे। आज बाहर के ऑयली खाने को जहां तक हो सके अवॉयड करें। आज बिना किसी के मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है।

**धनु राशि-** आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाहन करेंगे। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को अन्य लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में आप अपना पसंदीदा कार्य करेंगे।

**मकर राशि-** आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स को प्रमोशन के अच्छे चांस मिलेंगे। आज बेटी के परीक्षा का अच्छे रिजल्ट से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आपकी टेंशन कम होंगी। आपको किसी रिश्तेदार को दिया धन वापस मिल जायेगा।

**कुंभ राशि-** आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा, जिससे पूरे दिन आप खुश रहेंगे। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे, किसी भी अवसर को हाथ से जाने न दें। आज आपकी कोशिशें कामयाब होंगी।

**मीन राशि-** आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में मधुरता आएगी, जिससे लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। आज आपको आय के स्रोत मिलेंगे। आज बड़ों की सलाह मिलेगी, साथ ही आपका अच्छा संपर्क जुड़ेगा। आपको हर कदम पर दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

**अहमदाबाद।** आईपीएल 2025 के 51वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिए जबकि ईशांत शर्मा और गेराल्ड कोएट्जे को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को 225 रनों का लक्ष्य दिया। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और गुजरात ने 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए। गुजरात के लिए गिल ने सबसे ज्यादा 38 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए जबकि बटलर ने 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 64 रन की पारी खेली। सनराइजर्स की ओर से जयदेव उनादकट ने अंतिम ओवर में तीन विकेट झटके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गिल और सुदर्शन ने एक बार फिर गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए

87 रन जोड़े। गिल और सुदर्शन की शानदार बल्लेबाजी की मदद से गुजरात ने पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। सुदर्शन ने इसके साथ ही टी20 में 2000 रन पूरे किए और वह कम पारियों में ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। सुदर्शन हालांकि, अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 48 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद गिल और बटलर ने मोर्चा संभाला। गिल ने अर्धशतक पूरा किया, लेकिन वह रन होकर पवेलियन लौटे। बटलर ने फिर आक्रमक पारी खेलना जारी रखा और 31 गेंदों पर पचासा पूरा किया। बटलर भी लंबा शॉट खेलने के चक्कर में आउट हो गए। बटलर जब आउट हुए तो गुजरात का स्कोर 200 के पार पहुंच चुका था। पैट कमिंस ने आखिरी ओवर डालने के लिए उनादकट को भेजा। उन्होंने दूसरी गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर को आउट किया जो 16 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पांचवीं गेंद पर राहुल तेवतिया भी छह रन बनाकर पवेलियन लौटे और फिर छठी गेंद पर राशिद खान खाता खोले बिना आउट हुए। शाहरुख खान दो गेंदों पर छह रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स के लिए उनादकट के अलावा कमिंस और जीशान अंसारी को एक-एक विकेट मिला।

## आईपीएल 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन पर बोले प्रसिद्ध कृष्णा - 'लेंथ पर मेरा कंट्रोल शानदार रहा हैं'

**अहमदाबाद।** गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा का आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए और इस सीज़न में अपने विकेटों की संख्या 19 तक पहुंचा दी – जो उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। इससे पहले उन्होंने 2022 में भी 19 विकेट लिए थे, लेकिन इस बार उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 10 मैचों में कर दिखाया है।

**लेंथ पर कंट्रोल और तैयारी से मिली सफलता-** मैच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा, "मुझे लगता है कि मेरी लेंथ पर कंट्रोल इस सीज़न में अच्छा रहा है। हम जो मेहनत कर रहे हैं, उसमें टीम का और सभी का सहयोग मिला है। और हाँ, मैं इस बात का लुत्फ उठा रहा हूँ कि गेंद मेरे हाथ से अच्छी निकल रही है।" इस सीज़न में प्रसिद्ध का इकोनॉमी रेट 7.48 रहा है, जो उनके अब तक के किसी भी आईपीएल सीज़न से बेहतर है। उन्होंने बताया कि उनकी तैयारी नेट्स में विपक्षी बल्लेबाज़ों के अनुसार होती है और वो मैच से पहले पिच को भी बारीकी से देखते हैं। उन्होंने कहा,"अगर आप दूसरी पारी में गेंदबाज़ी कर रहे हो, तो पहले 20 ओवर की हर गेंद को ध्यान से देखना ज़रूरी है। मेरे पास अनुभव से भरे खिलाड़ी हैं, जिनसे बात करके मैं सही एरिया में गेंदबाज़ी करने की योजना बनाता हूँ।,"

**कप्तान शुभमन गिल भी हुए गेंदबाज़ी आक्रमण से खुश-** गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि उनकी टीम के पास गेंदबाज़ों की भरमार है और हर मैच में कोई न कोई योगदान दे रहा है। शुक्रवार को टीम ने 7 गेंदबाज़ों का इस्तेमाल किया। हालांकि साई किशोर ने सिर्फ इसलिए गेंदबाज़ी की क्योंकि ईशांत शर्मा आखिरी ओवर में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। गिल ने कहा, "हर कोई योगदान दे रहा है – साई, प्रसिद्ध, राशिद भाई, सिराज, ईशी भाई और इस मैच में कोएट्ज़ी भी। जब आपके पास इतने सारे विकल्प होते हैं, तो डिफेंड करने में आसानी होती है, खासकर ऐसे मैदानों पर।" गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ जेराल्ड कोएट्ज़ी ने इस मैच में गुजरात के लिए डेब्यू किया और 1 विकेट लिया।

## वैभव सूर्यवंशी को लेकर भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल की चेतावनी

**नई दिल्ली।** महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने जो करिश्मा कर दिखाया है, वह भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक अद्वितीय अध्याय बन गया है। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने केवल 35 गेंदों में शतक जड़कर सबको चौंका दिया। यह प्रदर्शन उन्हें आईपीएल में सबसे तेज़ शतक लगाने वाला भारतीय बल्लेबाज़ बना गया है और ओवरऑल सूची में वह दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उनके इस अद्वितीय प्रदर्शन के बाद हर ओर उनकी चर्चा हो रही है। क्रिकेट विशेषज्ञ, फैंस, फ्रेंचाइज़ी और मीडिया सभी उनके टैलेंट की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने एक अहम चेतावनी दी है। ग्रेग चैपल का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी जैसे असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी को केवल प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि एक मज़बूत सपोर्ट सिस्टम के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस विषय में सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए कहा कि सचिन को किशोरावस्था में ही जो सफलता मिली, उसके पीछे न केवल प्रतिभा थी, बल्कि उनके पास एक सुलझा हुआ पारिवारिक माहौल, अनुभवी कोच और अनुशासित सोच भी थी, जिसने उन्हें क्रिकेट के सर्कस से बचाया। वहीं,

उन्होंने विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ की असफलताओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि ये दोनों भी कम प्रतिभाशाली नहीं थे, लेकिन उनका करियर सचिन जैसा नहीं बन सका। चैपल ने कहा कि विनोद कांबली के पास अपार प्रतिभा थी, लेकिन अनुशासन और स्थिरता की कमी के चलते वे क्रिकेट की दुनिया में ज्यादा देर टिक नहीं सके। वे शराब की लत और निजी समस्याओं में उलझते गए और उनका करियर ढलान पर चला गया। वहीं पृथ्वी शॉ, जिन्होंने बेहद कम उम्र में भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप जिताया था और डेब्यू टेस्ट में शतक भी जड़ा था, वे भी अनुशासन और फिटनेस जैसे मुद्दों के कारण टीम इंडिया से बाहर हो चुके हैं।

## आईपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल : एमआई पहले तथा जीटी दूसरे स्थान पर

**नई दिल्ली।** शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 के 51वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस आईपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अब सिर्फ मुंबई इंडियंस ही गुजरात से ऊपर है, जिनके पास भी 14 अंक हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वे गुजरात से एक पायदान ऊपर हैं। जीटी की इस जीत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका दिया। दो दिन पहले तक आरसीबी टॉप पर थी, लेकिन मुंबई और गुजरात की जीत ने उन्हें नंबर-3 पर खिसका दिया। आरसीबी के भी 14 अंक हैं, लेकिन उनका नेट रन रेट कम होने के कारण वह तीसरे स्थान पर आ

गई है। इस समय टॉप-4 में गुजरात, मुंबई और आरसीबी के अलावा पंजाब किंग्स है जो की चौथे नंबर पर हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स 12 अंकों के साथ पांचवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 10 अंकों के साथ छटवें स्थान पर हैं। बाकी टीमों की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स सातवें, राजस्थान रॉयल्स आठवे, सनराइजर्स हैदराबाद नौवे और चेन्नई सुपर किंग्स दसवें स्थान पर हैं।

**आईपीएल 2025 अपडेटे पॉइंट्स टेबल- टीम खेले जीते हारे बेनतीजा अंक नेट रन रेटः**

मुंबई इंडियंस 11 7 4 0 14 +1.274
गुजरात टाइटंस 10 7 3 0 14 +0.867
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 10 7 3 0 14 +0.521
पंजाब किंग्स 10 6 3 1 13 +0.199
दिल्ली कैपिटल्स 10 6 4 0 12 +0.362
लखनऊ सुपर जायंट्स 10 5 5 0 10 -0.325
कोलकाता नाइट राइडर्स 10 4 5 1 9 +0.080
राजस्थान रॉयल्स (ई) 11 3 8 0 6 -0.780
सनराइजर्स हैदराबाद 10 3 7 0 6 -1.192
चेन्नई सुपर किंग्स (ई) 10 2 8 0 4 -1.211

## भारत में कई पाकिस्तानी क्रिकेटर का इंस्टाअकाउंट बैन, सेना पर भड़के बाबर आजम

**नई दिल्ली।** पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाय है। हाल में भारत ने पाकिस्तान के कई बड़े सेलीब्रिटीज का इंस्टाअकाउंट बैन कर दिया है। इसमें क्रिकेटर शाहिद अफरीदी, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान जैसे खिलाड़ी शामिल है। बाबर आजम ने भारत में अपना इंस्टा अकाउंट बंद होने पर पाकिस्तानी सेना पर गुस्सा निकाला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की गंदी राजनीति के कारण यहां के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। बाबर आजम ने इंस्टाग्राम पर लिखा- एक क्रिकेटर के रूप में मैं हमेशा भारत में खेलने के लिए उत्साहित रहता हूं और मैं उसे अपना दूसरा घर मानता हूं, लेकिन अफसोस कि मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में बैन कर दिया गया है। मैं साफ कहना चाहता हूं कि पहलगाम हमले में क्रिकेटर्स का कोई हाथ नहीं

है। बाबर आजम ने पाकिस्तानी सेना पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने लिखा पाकिस्तानी सेना की गंदी पॉलिटिक्स के कारण ये क्या हो रहा है सभी देख रहे हैं। मैं नाम नहीं लूंगा लेकिन सभी जानते हैं कि असली पावर किसके पास है और कौन आतंकियों को सपोर्ट कर रहा है। पाकिस्तानी सेना के कारण आम लोग परेशान हो रहे हैं। आतंकियों को पनाह देना बंद करो। पाकिस्तान जिंदाबाद। बता दें बाबर आजम बेहतरीन क्रिकेटर्स हैं। इंस्टा पर उनके आधे से ज्यादा फॉलोवर्स भारतीय हैं और ऐसे में उनके इंस्टा पर इंगेजमेंट कम दिख रही होगी, जिसके कारण वह भी थोड़े परेशान हैं।

## व्यापार

## मई की शुरुआत में एफआईआई ने खरीदारी का जोर दिखाया, डीआईआई ने भी जमकर की लिवाली

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने मई के महीने की शुरुआत जोरदार खरीदारी करके की है। इस महीने के पहले कारोबारी दिन शुक्रवार 2 मई को विदेशी निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में 2,770 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस तरह घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की खरीदारी लगातार 12वें सत्र में भी जारी रही। पहले कारोबारी दिन घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने जमकर खरीदारी की। स्टॉक मार्केट के प्रोविजनल आंकड़ों के मुताबिक 2 मई को डीआईआई ने घरेलू शेयर बाजार में 3,291 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। साल 2025 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 1.29 लाख करोड़ रुपये की

शुद्ध बिकवाली की थी। इस बिकवाली के कारण शेयर बाजार को जबरदस्त गिरावट का सामना करना पड़ा था। हालांकि अप्रैल में इस स्थिति में परिवर्तन हुआ। अमेरिका द्वारा टैरिफ वॉर में नरमी का संकेत देने के कारण ग्लोबल मार्केट के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार के सेंटिमेंट्स में भी बदलाव हुआ, जिसकी वजह से विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का रास्ता छोड़ कर खरीदारी शुरू कर दी। अब मई के महीने में भी घरेलू शेयर बाजार में एफआईआई की खरीदारी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है। डिपॉजिटरी के प्रोविजनल आंकड़ों के अनुसार 2 मई के कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 18,130 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वहीं, पूरे दिन के कारोबार में उन्होंने 15,360 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री भी की। इस तरह विदेशी निवेशकों ने शुद्ध रूप से 2,770 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इसी तरह घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2 मई के कारोबारी सत्र के दौरान 13,906 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। वहीं, 10,615 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। इस तरह डीआईआई की शुद्ध खरीदारी 3,291 करोड़ रुपये की रही। इस साल विदेशी संस्थागत निवेशक ओवरऑल बिकवाल की भूमिका निभाते रहे हैं। इस अवधि में उन्होंने 1.34 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की है। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस साल की शुरुआत से लेकर अभी तक 2.10 लाख करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की है। जहां तक स्टॉक मार्केट के कारोबारी प्रदर्शन की बात है तो शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के बाद भारतीय शेयर बाजार ने लगातार तीसरे सप्ताह भी अपनी बढ़त का सिलसिला जारी रखा। दिसंबर 2024 के बाद पहली बार घरेलू शेयर बाजार लगातार 3 सप्ताह तक बढ़त का सिलसिला बनाए रखने में सफल हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक हर सप्ताह औसतन एक प्रतिशत की रफ्तार से मजबूत हुए हैं।

## इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में ओला इलेक्ट्रिक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

- जांच शुरू, ओला इलेक्ट्रिक से संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर

**नई दिल्ली।** ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की इनसाइडर ट्रेडिंग के मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि बाजार नियामक सेबी अक्टूबर और दिसंबर 2024 के बीच इनसाइडर ट्रेडिंग के दो मामलों में भाविश अग्रवाल की अगुआई वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में उल्लिखित है कि ओला इलेक्ट्रिक द्वारा संबंधित पार्टी लेनदेन भी सेबी के रडार पर है। इस खबर के बाद ओला इलेक्ट्रिक के शेयर बिकवाली मोड में नजर आए। पिछले सप्ताह करीब 48 रुपये के स्तर पर शेयर एक फीसदी टूटकर गिरे। इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक को अपने कुछ स्टोरों के लिए व्यापार प्रमाणपत्रों के संबंध में चार राज्यों में नोटिस भी मिले और कंपनी ने बताया है कि उसे इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार महाराष्ट्र के अधिकारियों ने ओला को एक नोटिस भी भेजा है, जिसमें महाराष्ट्र में 100 से अधिक शोरूम को तत्काल बंद करने का आदेश दिया गया था। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में ओला इलेक्ट्रिक ने बताया है कि उसने फरवरी में 25,000 इकाइयां बेचीं और इसकी बाजार हिस्सेदारी 28 प्रतिशत रही। इसके बावजूद, भारी उद्योग मंत्रालय और भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से ओला इलेक्ट्रिक को ईमेल प्राप्त हुए हैं, जिसमें बिक्री आंकड़ों के बड़े अंतर के कारण पूछे गए हैं। इस समय, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को अच्छे संपर्कों और संस्थागत शुद्धता की जरूरत है ताकि विश्वासित होकर निवेश किया जा सके और कंपनी की मुद्राओं पर स्थिरता बनी रहे।

## स्मार्टफोन बाजार में श्याओमी टॉप 5 से बाहर, एप्पल इंक पहुंची शीर्ष स्थान पर

- वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में सैमसंग शीर्ष पर थी, फिर ऐपल, वीवो, ओपो और श्याओमी थी

**मुंबई।** चीन की दिग्गज श्याओमी जो कभी भारतीय बाजार में प्रमुख कंपनी थी, 2016 की पहली तिमाही के बाद से पहली बार मूल्य हिस्सेदारी के लिहाज से शीर्ष 5 से बाहर हो गई है। दूसरी तरफ कुपर्टिनो मुख्यालय वाली ऐपल इंक दूसरी तिमाही के दौरान मूल्य के लिहाज से शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन की थोक बिक्री में अब इसकी हिस्सेदारी एक-चौथाई (26 प्रतिशत) है। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सेदारी 20 प्रतिशत थी। उसने अपनी सभी प्रमुख प्रतिस्पर्धियों – सैमसंग, वीवो, ओपो और श्याओमी को

पछाड़ दिया है। इन ब्रांडों ने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के दौरान दो-दो प्रतिशत अंक गंवाए, जो ऐपल इंक की कुल बढ़त है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में सैमसंग शीर्ष पर थी। उसके बाद ऐपल, फिर वीवो, ओपो और श्याओमी का स्थान था। शीर्ष 10 में केवल दो ब्रांड ही बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रहे हैं। मोटोरोला ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में अपनी मूल्य हिस्सेदारी को दोगुना कर 4 प्रतिशत कर लिया और गूगल की हिस्सेदारी बढ़कर अब 2 प्रतिशत हो गई जो 2024 की पहली तिमाही में 1 प्रतिशत से भी कम थी। कार्ल पेई के नए ब्रांड नथिंग की हिस्सेदारी प्रचार के बावजूद कैलेंडर वर्ष 25 की पहली तिमाही में एक प्रतिशत रही। इससे पहले कार्ल पेई ने वन प्लस ब्रांड खड़ा किया था।

## पिछले 10 साल के प्रदर्शन के आधार पर मई में शेयर बाजार में मजबूती की उम्मीद

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ समय से लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में बनी अनिश्चितता की स्थिति, अमेरिका में मंदी की आशंका और दुनिया के कई हिस्सों में जारी जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट प्रभावित हुए हैं। इसी क्रम में भारतीय शेयर बाजार भी जबरदस्त उतार-चढ़ाव का शिकार हुआ है। इसके बावजूद पिछले 10 साल के प्रदर्शन के आधार पर माना जा रहा है कि मई का महीना घरेलू शेयर बाजार के लिए बेहतर साबित हो सकता है। पिछले 10 साल के परफॉर्मेंस को देखा जाए तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी मई के महीने में छह बार मासिक आधार पर मजबूत के साथ हरे निशान में बंद हुआ है। इस दौरान निफ्टी का एवरेज रिटर्न 1.5 प्रतिशत रहा है, जबकि मीडियम रिटर्न 1.9 प्रतिशत के करीब रहा है। जेएम फाइनेंशियल की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 साल की अवधि में निफ्टी के मिडकैप इंडेक्स ने भी मई महीने के दौरान छह बार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार का अंत किया। हालांकि मिडकैप इंडेक्स के शेयरों का एवरेज रिटर्न 0.4 प्रतिशत रहा, जबकि मेडियन रिटर्न 1.2 प्रतिशत

रहा। सेक्टोरल परफॉर्मेंस की बात करें, तो मई के महीने में एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर ने पिछले 10 साल के दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी के ऑटोमोबाइल इंडेक्स ने 10 साल में से 8 बार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार का अंत किया। इस दौरान ऑटोमोबाइल इंडेक्स में शामिल शेयरों ने 3.9 प्रतिशत का एवरेज रिटर्न दिया, जबकि मीडियम रिटर्न 4.9 प्रतिशत का रहा। इसी तरह एफएमसीजी इंडेक्स ने भी 10 साल में से 8 बार मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार का अंत किया। इस दौरान एफएमसीजी इंडेक्स में शामिल शेयरों ने 3 प्रतिशत का एवरेज रिटर्न दिया, जबकि मीडियम रिटर्न 2.6 प्रतिशत का रहा। इन दोनों सेक्टर्स के अलावा बैंक और फाइनेंशियल सेक्टर 10 साल में से सात बार मजबूती के साथ में बंद हुए।

## चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर

**नई दिल्ली।** चीन की अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के टैरिफ का पड़ा असर दिखने लगा है। वर्षों से जारी व्यापार युद्ध के बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ ने चीन की औद्योगिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। चीन की औद्योगिक सेहत को मापने वाले पीएमआई अप्रैल 2025 में 49 पर आ गया है, जो मार्च में 50.5 था। यह संकेत देता है कि अमेरिकी टैरिफ चीन की अर्थव्यवस्था पर धारा है। चीन के तांबे के भंडार की कमी और नए संभावित टैरिफ के भय से उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का तांबा जून तक खत्म हो सकता है। चीन ने किसी अमेरिकी उत्पादों को टैरिफ से मुक्त करने की योजना बनाई है, जिसमें दवाइयां, सेमीकंडक्टर चिप्स और एयरक्राफ्ट इंजन शामिल हैं। अर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि चीन की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 3.5% तक सिमट सकती है, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहद कम है। उद्योगों में अन्याय से लड़ने के लिए चीन ने सख्त कदम उठाने की योजना बनाई है।

# प्रभास की बाहुबली सिनेमाघरों में फिर हो रही रिलीज

## फिर होगी बाहुबली और भल्लालदेव की टक्कर, अक्टूबर में आएगी फिल्म

निर्देशक एसएस राजामौली की बाहुबली: द कन्क्लूजन की आठवीं एनिवर्सरी पर फिल्म के निर्माता शोबू यारलागड्डा ने बाहुबली फिल्मों को फिर से रिलीज करने की घोषणा की. ब्लॉकबस्टर फिल्म का पहला पार्ट 2015 में रिलीज हुआ था, जबकि दूसरा पार्ट 2017 में सिनेमाघरों में आया. 2025 में पहले पार्ट की 10 वीं और दूसरे पार्ट की 8वीं एनिवर्सरी है. इसलिए निर्माताओं ने फैंस को ट्रीट देने का मन बनाया है. बाहुबली 2 की आठवीं एनिवर्सी मनाई गई और मेकर्स शोबू ने इसे फिल्म के फैंस के लिए और भी खास बनाने का फैसला किया. इस खास दिन पर, मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इस साल अक्टूबर में बाहुबली को भारत और इंटरनेशनल लेवल पर फिर से रिलीज करने की योजना बना रहे हैं. उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक री-रिलीज नहीं होगी यह हमारे प्यारे फैंस के लिए जश्न का साल होगा, इस दौरान पुरानी यादें, नए खुलासे और कुछ शानदार सरप्राइजेस की उम्मीद करें. देखते रहिए!

बाहुबली. बाहुबली 2025 के अक्टूबर में री रिलीज होने के लिए तैयार है. एसएस राजामौली की बाहुबली एपिक ड्रामा थी. फिल्म में जो चीज कामयाब रही, वह है इसका ड्रामा. दोनों फिल्मों ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की. 2022 में, राजामौली ने कहा, अपने करियर के दौरान मैंने सीखा है कि भावनाएं जितनी मजबूत होंगी, या जितनी बुनियादी भावनाएं होंगी, उतना ही अधिक लोग आपकी फिल्म को पसंद करेंगे. मैं यही कर रहा हूं, जब मैंने देखा कि बाहुबली को पूरे देश ने पसंद किया, तो मुझे एहसास हुआ कि अगर फिल्में बुनियादी इंसानी भावनाओं से प्रेरित कहानियों पर आधारित हों, तो उनकी पहुंच ज्यादा दर्शकों तक होगी.

बाहुबली: द बिगिनिंग 2015 में तो वहीं बाहुबली: द कन्क्लुजन 2017 में रिलीज हुई. दोनों फिल्मों में प्रभास ने बाहुबली का लीड कैरेक्टर निभाया वहीं राणा दग्गुबाती ने भल्लालदेव का. इनके अलावा फिल्म में अनुष्का शेट्टी, तमन्ना भाटिया, राम्या कृष्णन, सत्यराज, नासिर जैसे कई टैलेंटेड शामिल थे.

# कंधे पर धनुष लटकाए निडर योद्धा बनकर निकली आकांक्षा शर्मा

## केसरी वीर से फर्स्ट लुक जारी

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आईं आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है। उनके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है। फिल्म से एक्ट्रेस का पहला लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और बेहतरीन योद्धा। इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हर-हर महादेव लिखा। साथ ही बताया कि फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आकांक्षा से पहले मेकर्स ने सुनील शेट्टी का भी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। फिल्म में एक्टर योद्धा वेगड़ा जी का किरदार निभाते दिखाई देंगे। पोस्टर में सुनील शेट्टी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर दहाड़ते नजर आए। उनका निडर योद्धा अवतार प्रशंसकों को काफी पसंद आया। पोस्टर के बैकग्राउंड में गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर भी नजर आ रहा है। फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। यह उन गुमनाम योद्धाओं की कहानी दर्शकों के सामने लाएगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया। केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ का निर्देशन प्रिंस धीमान ने और निर्माण चौहान स्टूडियो के तहत कनु चौहान ने किया है।

# बेलमकोंडा श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म किष्किन्धापुरी से पहली झलक जारी

बेलमकोंडा श्रीनिवास अपनी आगामी फिल्म किष्किंधापुरी के साथ फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन चावु कबुरू चालगा के प्रसिद्ध कौशिक पेगलपति ने किया है। फिल्म तेजी से आगे बढ़ रही है और आज निर्माताओं ने पहली झलक जारी की। इस झलक ने काफी दिलचस्पी पैदा की, जिसमें मुख्य जोड़ी और अन्य अभिनेता एक सुनसान और परित्यक्त घर सुवर्णमाया में प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्हें एक रेडियो मिलता है और अजीबोगरीब घटनाओं का अनुभव होता है। हालाँकि पहली झलक में बहुत कुछ नहीं दिखा, लेकिन यह उत्सुकता के स्तर को बढ़ाने में कामयाब रही। सैम सीएस ने बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ उत्सुकता बढ़ा दी। फिल्म में अनुपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में हैं। संगीत चैतन भारद्वाज ने तैयार किया है और फिल्म का निर्माण प्रतिष्ठित शाइन स्क्रीन बैनर के तहत साहू गरपति ने किया है। बेल्लमकोंडा श्रीनिवास, जिनकी पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं, अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी गिरती किस्मत को पुनर्जीवित करने के लिए इस फिल्म से अपनी सारी उम्मीदें लगा रहे हैं।

# करीना ने शेयर किया स्टीवन स्पीलबर्ग से मुलाकात का किस्सा

## WAVES 2025 में एक्ट्रेस का खुलासा, हॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर ने देखी थी 'थ्री इडियट्स'

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में WAVES 2025 आयोजित है। समिट के दूसरे दिन एक्ट्रेस करीना कपूर पैनल डिस्कशन का हिस्सा बनीं। इस दौरान 'एक्टर विजय देवरकोंडा उनके साथ मौजूद थे। इस सेशन के मॉडरेटर करण जौहर थे। करण जौहर ने सिनेमा के ग्लोबल इम्पैक्ट और नार्थ-साउथ कौलेबेरशन किस तरह भारत में सिनेमा के फ्यूचर को आकार दे सकता है, इस टॉपिक पर बातचीत की शुरुआत की। बातचीत के दौरान करण जौहर ने करीना कपूर से पूछा कि वो कभी हॉलीवुड फिल्मों के पीछे क्यों नहीं गई? जबकि उनके समय की कई एक्ट्रेस इसके लिए कोशिश करती रही हैं। करण के इस सवाल का जवाब देते हुए करीना कहती हैं- 'चेज करना मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा नहीं है। अगर ऐसा होना है तो होगा ही। मैं जानती हूं, समय बदल रहा है। कौन जानता है, हिंदी-अंग्रेजी फिल्म बन जाए। यहां तक कि स्टीवन स्पीलबर्ग भी हमारी हिंदी फिल्में देख रहे हैं।' अपनी बातचीत के दौरान करीना ने हॉलीवुड फिल्ममेकर स्टीवन स्पीलबर्ग से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया, जब डायरेक्टर ने उन्हें पहचान लिया और उनकी तारीफ की। वो कहती हैं- 'मैं दरअसल एक रेस्टोरेंट में थी। मैं कहीं ट्रैवल कर रही थी। स्टीवन स्पीलबर्ग भी उसी रेस्टोरेंट में खाना खा रहे थे। यह कई साल पहले की बात है, जब 3 इडियट्स रिलीज हुई थी। वह मेरे पास आये और मुझसे पूछा, क्या आप वही लड़की हैं, जो तीन छात्रों वाली उस फेमस इंडियन फिल्म में थीं?' मैंने जवाब में कहा, हां, वह मैं ही हूं। उनका रिएक्शन था, 'ओह गॉड। मुझे वह फिल्म बहुत पसंद आई।' अपनी बात को पूरा करते हुए करीना मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'मुझे उन्हें दिखाने के लिए किसी अंग्रेजी फिल्म में काम करने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने '3 इडियट्स' देखी। यह हमारे लिए एक सुखद पल था।' बता दें कि साल 2013 में स्टीवन स्पीलबर्ग ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 'थ्री इडियट्स' उन चुनिंदा भारतीय फिल्मों में है, जिसे उन्होंने तीन बार देखी है। उन्हें फिल्म का इमोशनल सीन्स बहुत अच्छे लगे थे।

# अवनीत कौर ने बिखेरा हुस्न का जलवा इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपनी अदाओं का जादू बिखेरने वाली अवनीत कौर ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका हॉट और स्टाइलिश लुक फैंस को दीवाना बना रहा है. इन तस्वीरों में अवनीत ने पिंक ऑफ-शोल्डर टॉप और डेनिम जीन्स पहनी हुई है. उनका कॉन्फिडेंट पोज, सिंपल मेकअप और स्टाइलिश एक्सेसरीज लुक को और भी ग्लैमरस बना रहे हैं. कैप्शन में अवनीत ने लिखा, गर्मी के दिन सपने देखना और बताया कि उन्होंने यह लुक लीक्लोथिंगकंपनी से लिया है. फैंस ने कमेंट सेक्शन में दिल और फायर इमोजी की बरसात कर दी है. कोई उन्हें 'ड्रीम गर्ल कह रहा है तो कोई 'एंजेलिक लुक की तारीफ़ कर रहा है. महज 1 घंटे में तस्वीरों को 94 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो बताता है कि अवनीत की फैन फॉलोइंग कितनी जबरदस्त है. बता दें कि अवनीत कौर इन दिनों अपने फैशन सेंस और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर लगातार चर्चा में बनी रहती हैं. वे जल्द ही अपनी अगली फिल्म को लेकर भी कोई बड़ा ऐलान कर सकती हैं.

# More than 30 thousand devotees visited Kedarnath on the first day

**Kedarnath**:The doors of Shri Kedarnath Dham were opened for devotees on May 2 with due rituals. On the very first day（Friday）after the opening of the doors, a lot of enthusiasm was seen among the devotees for the darshan. On the first day, a record 30,154 pilgrims visited Baba Kedar. According to the information received from the District Disaster Management Officer, till 7 pm, a total of 30,154 devotees including 19,196 men, 10,597 women and 361 children visited. As soon as the doors opened, devotees started flocking to Kedarnath Dham. The atmosphere resonated with chants of 'Har Har Mahadev'. The district administration, police department, temple committee, pilgrimage priest community, local traders and voluntary organizations

have together made tight arrangements to make the journey smooth and safe. All necessary arrangements have been made giving priority to the convenience and safety of the devotees. Kedarnath Dham is an important part of the Chardham Yatra. Every year, a large number of devotees come here to have darshan of Baba Kedar. The enthusiasm seen among the devotees on the very first day of the Yatra this year is predicting that the number of devotees may increase significantly in the coming days. Let us tell you that on Friday, the doors of Kedarnath Dham were opened for the devotees with rituals and worship. Devotees will now be able to visit Baba Kedar for the next six months. On Friday morning at 7 am, in the auspicious muhurat, the doors of the world famous Shri Kedarnath Dham were opened with rituals and chanting. As soon as the doors of the temple opened, flowers were showered on the devotees from the helicopter. The Army band played melodious tunes while the doors were opening. During this, the Kedarnath valley echoed with the cheers of the devotees. On this occasion, prominent officials including Uttarakhand CM Pushkar Singh Dhami were present. Apart from this, Rawal Bhimashankar Ling of Kedarnath, Chief Priest Vagesh Ling, Tirtha Purohit, BKTC officials, locals and a large number of devotees were also present. Earlier, the doors of Yamunotri Dham were opened on the auspicious festival of Akshaya Tritiya. With Vedic chanting, the doors of Yamunotri Dham were opened for the devotees at 11:55 am on Wednesday. A large number of devotees were also present during this time. Let us tell you that after Yamunotri and Gangotri, the doors of Kedarnath Dham have been opened for devotees. Now the doors of Badrinath Dham will also open on May 4.

## Give me a suicide bomb, I will tie it up and go to Pakistan, Karnataka minister's statement goes viral amid Pahalgam tension

**New Delhi**, After the killing of 26 innocent tourists in a terrorist attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir on April 22, the demand for security has intensified across the country. Meanwhile, Karnataka Minority Affairs Minister B.Z. Zameer Khan appealed to Prime Minister Narendra Modi and Home Minister Amit Shah in a press conference on Friday to provide him with suicide bombs to attack Pakistan.

Zameer Khan said, we are Indians and Pakistan has been our enemy. If PM Modi and Amit Shah allow me, I will go to Pakistan with a suicide bomb and attack. He strongly condemned the Pahalgam attack and called it an inhumane act against innocent civilians and appealed to all Indians to unite.

The terrorist organization The Resistance Front（NJKRSN）had claimed responsibility for the attack in Baisaran Maidan on April 22. 26 tourists were killed in this attack, including women and children. The demand for strict action from the government and security agencies has now intensified.

## State-wide shutdown on two years of Manipur violence, normal life affected; Tension rises again between Meitei-Kuki communities

**Imphal**: On the anniversary of the ethnic violence that started two years ago in Manipur, a shutdown has been observed across the state today. On the second anniversary of the violence, organizations associated with the Meitei and Kuki communities called for a shutdown in different areas, due to which normal life was affected. In Imphal valley, the Meitei community's organization, Coordinating Committee on Manipur Integrity（CCMIN）, has announced a shutdown. On the other hand, the Kuki community's organizations, Zomi Students Federation and

Kuki Students Organization, have called for a shutdown in the hilly areas. During this time, markets, private offices, schools-colleges and public transport services are completely closed. Only a few private vehicles are seen on the roads.In view of the sensitive situation, security has been tightened across the state. In Imphal, the Manipur People's Convention was organized by the RSS, while a candle march will also be taken out in the evening to pay tribute to the victims of violence. At the same time, 'Day of Separation' was celebrated in the Kuki-dominated areas of Churachandpur and Kangpokpi. Here the Kukis reiterated their demand for a separate administrative region. Tribute programs were organized at the 'Wall of Remembrance' in Churachandpur and at the Sehken Burial Site.More than 260 people have lost their lives and more than 70,000 people have been rendered homeless in the violence that erupted between the Meitei and Kuki communities in May 2023. rather the ethnic divisions are becoming more deep.

## Seven people died in a stampede during a religious pilgrimage in Goa; more than 40 injured

**Panaji**: Seven people died and more than 40 people were injured in a stampede at the Lerai Devi temple in Shirgaon, Goa. CM Pramod Sawant reached the hospital and inquired about the condition of the injured. Expressing regret, the CM said that Prime Minister Narendra Modi inquired from him about this tragic accident. CM wrote on X post- I am deeply saddened by the tragic stampede that took place at Lairai Jatra in Shirgaon this morning. I went to the hospital to meet the injured and assured all possible help to the affected families. I am personally monitoring the situation to ensure that every necessary measure is being taken. Prime Minister Narendra Modi spoke to me and took a detailed stock of the situation, offering his

full support in this difficult time.

Let us tell you, this incident happened in the early hours of Saturday. According to preliminary information, overcrowding could be a major reason behind the incident. Goa Chief Minister Pramod Sawant visited the hospital on Saturday to inquire about the condition of the injured. According to eyewitnesses, the situation worsened after a section of the crowd lost control. Locals and temple volunteers rushed to evacuate people to safety.The stampede occurred when thousands of devotees thronged the temple to witness and participate in the centuries-old ritual of walking barefoot on burning embers called 'Dhond'. The Shree Lairai Yatra is held every year in North Goa and attracts over 50,000 devotees. The stampede occurred when a slope at one point on the religious journey caused the crowd to move too fast together. According to reports, the injured have been admitted to nearby hospitals. Meanwhile, North Goa Superintendent of Police Akshat Kaushal said, seven people died and more than 40 people were injured in the stampede at the Lerai Devi temple in Srigao. 1,000 policemen were deployed for the Yatra. Drones were also deployed for aerial surveillance on the crowd movements. Earlier on Friday, Chief Minister Sawant, his wife Sulakshana, Rajya Sabha MP Sadanand Shet Tanavade and MLAs Premendra Shet and Carlos Ferreira visited the temple. The temple, known for its blend of northern and southern architectural styles, hosts the Shirgao Jatra every year in May. The festival features a traditional fire-walking ritual that draws thousands of devotees.Villagers from nearby areas, including Moulingam, participate in religious rituals and offerings dedicated to Goddess Lerai throughout the day, as stated on the Goa tourism website. As midnight approaches during the Lerai Jatra, devotees perform a passionate circular dance inside the temple, clashing sticks in rhythm with the beats of drums.

## 'Local administration is helping the victims', PM Modi expressed grief over Shirgaon accident

**New Delhi**: The stampede during the Lerai Devi Jatra in Shirgaon, Goa, in which more than 5 people died and more than 30 people were injured, has shaken the whole country. Prime Minister Narendra Modi has expressed deep condolences on this tragic incident. The Prime Minister's Office（PMO）issued a post on the social media platform X and wrote, "I am saddened by the deaths due to the stampede in Shirgaon, Goa. Condolences to those who lost their loved ones. I wish the injured a speedy recovery. Local administration is assisting the affected people: PM Narendra Modi Earlier, Goa Chief Minister Pramod Sawant wrote in a post, I am deeply saddened by the tragic

stampede that took place at Lerai Jatra in Shirgaon this morning. I visited the injured in the hospital and assured all possible help to the affected families. I am personally monitoring the situation to ensure that every necessary measure is being taken. PM Narendra Modi spoke to me and took a detailed review of the situation, offering his full support in this difficult time. Let us tell you, this incident happened in the early hours of Saturday.According to preliminary information, overcrowding could be a major reason behind the incident. According to eyewitnesses, the situation worsened after a section of the crowd lost control. Locals and temple volunteers rushed to evacuate people to safety. The stampede occurred when thousands of devotees thronged the temple to witness and participate in the centuries-old ritual where believers walk barefoot on burning embers. The stampede occurred when the crowd started moving together rapidly due to a slope at one point of the religious journey.

## STORM WREAKS HAVOC IN DELHI-NCR, METEOROLOGICAL DEPARTMENT AGAIN ISSUED WARNING

**New Delhi**: Storm caused widespread devastation in Delhi, NCR and many areas of North India on Friday. Strong winds and rain accompanied by thunder disrupted normal life. So far, several people have been confirmed dead in this severe storm, while many others have been injured. Hundreds of trees were uprooted, electric poles fell and there was a traffic jam on the roads in the capital Delhi. Apart from this, more than 200 flights were either cancelled or delayed for hours at Indira Gandhi International Airport, causing great inconvenience to passengers. According

to the Meteorological Department, this weather change has come due to the western disturbance, which has caused thunderstorms and rain along with strong winds. Today, on May 3, the minimum temperature in Delhi is expected to be 19 degrees Celsius while the maximum temperature is expected to be 34 degrees Celsius. The department has warned that there is a possibility of rain and strong winds along with thunderstorms in Delhi and adjoining areas even today.

The weather may remain the same in the coming days as well. The temperature is likely to reach 35 degrees Celsius every day from May 4 to May 6, and thunderstorm with rain has been warned on these days as well. Clouds will also remain on May 7 and 8 and rain is expected on these days as well. According to the IMD report, the next few days will not be of relief and the public needs to be alert. The administration has also appealed to the people to stay indoors during bad weather, not stand near trees and old buildings and pay attention to weather-related alerts. The district administration and traffic police have also been put on high alert.

## SC's big decision in gangrape case, 'One person committed the rape, yet all will be punished'

**New Delhi**: A special bench of the Supreme Court has given a landmark verdict in a case of gangrape（Section 376（2）（d）IPC）and clarified that if common intention is proved, then all the persons involved can be held guilty of gangrape even if only one accused has committed the act of rape.

This comment was made in a 2004 Madhya Pradesh kidnapping and gangrape case in which two accused Raju and Jalandhar Kol were on trial. The incident took place in June 2004 when a woman returning from a wedding ceremony was kidnapped, held in various places illegally and gangraped. The victim said that the accused committed this crime with a common intention. The trial court convicted both the accused of gangrape, kidnapping and illegal confinement and sentenced Raju to life imprisonment and Jalandhar Kol to 10 years imprisonment.

The High Court upheld the trial court's decision. After this, Raju appealed to the Supreme Court. The Supreme Court ruled that under Section 376(2)(d) of the IPC, if more than one person participated in the crime with a common intention, it is not necessary to prove that each person committed the rape; the rape committed by one accused is sufficient to convict all. The court dismissed Raju's appeal and upheld the decision of the Madhya Pradesh High Court.

This decision makes it clear that in a gang crime, common intention is more important than individual act, due to which the law will be able to take strict action even against a group of criminals.

## Pakistani don Shahzad Bhatti got furious on Lawrence Bishnoi's threat, released a video and said that he will reveal all the secrets of Moosewala–Siddique murder

**New Delhi** On one hand, there is tension between India and Pakistan over the Pahalgam attack, on the other hand, gangster Lawrence Bishnoi and Pakistani don Shahzad Bhatti have also come face to face over this attack. Don Shahzad Bhatti said that now the friendship is over, if the matter comes to the country, then we will not sit quiet. Don Shahzad Bhatti has released a video of this.

Actually, after the Pahalgam terror attack, Lawrence Group shared a post on social media, in which a cross was put on the photo of Pakistani terrorist Hafiz Saeed. This post read - Ram-Ram to all the brothers who were attacked in Pahalgam, Kashmir. Innocent people have been killed without any fault, we will take revenge for this soon. They have killed our illegitimate men. We will kill their legitimate ones. We will kill only one such person by entering Pakistan, who will be equal to 1 lakh. If you shake hands, we will hug you, if you glare at us, we will take out your eyes and if you do such a despicable act, we will enter Pakistan and answer brick with stone. After this threat by Lawrence Group, Don Shahzad Bhatti has issued a video and threatened. In

the video, Bhatti said that this video of mine is for Lawrence, who has said that he will enter Pakistan and kill one lakh Muslims. First of all, I want to tell you that Pakistan is a far cry, you cannot kill even a bird in any country. I know you very well and you also know me, what is my system and what is not. Bhatti further said- Do not force me, I will give all those audio and video messages to the media. After which your government will question you. In which Mumbai NCP leader Baba Siddiqui was killed on the orders of which politician. You all already know that Zeeshan Akhtar is already involved in the Baba Siddiqui murder case and he is absconding. Also, everyone knows who has him. He said that I will put all these videos and audios in front of the media with all the evidence. Also, I have all the proofs of which politician gave money to Zeeshan to kill Baba Siddiqui. Who was present on the call with Zeeshan at the time of the murder, I have all the proofs. Who instigated this murder, I have proofs of all of them. Bhatti said- who got Sidhu Moosewala killed, who paid for the weapons, where did the weapons come from, who gave Indian rupees and what all happened, where and where, I have all the records. If the matter comes to my country again, then everything will come out.

He said- When I had a relationship with you, I was bigger than you and even today I am bigger than you. Neither have I ever become a don by posting false posts, nor have I tried to become famous by targeting any famous person. Whatever work I have done, I have done it with my own hands. So you should think before saying anything about my country, any institution of the country or any Muslim. Last time you posted that you want to kill Shehzad Bhatti, I completely ignored it.Bhatti said- Your system is different, your media blows things out of proportion. But I have worked with my own hands. When it comes to my country（Pakistan）, I will not sit quiet. I give you（Lawrence）a lifetime to harm me. Whoever wants to come, should come only after informing, and not attack me from behind. Bhatti said- I have been hearing the sound of bullets since the time I did not have a moustache. First for me comes Islam and then my country Pakistan, then all our institutions and after that something else will be important for me. That is why when you come out of jail, you will know that the people on whose fingers you are dancing, these people will harm you. Come to the field and fight yourself, when you come out of jail. Remember that a Shahzad Bhatti of Pakistan is alive. He said- If you say anything about my country, I will not tolerate it. All friendship is over from now on. From now on, I will not hear anything like this from your mouth. What good work do you people do? Baba Siddiqui was a Muslim, he was killed by a Muslim. You all killed Sidhu and Moosewala, you did not have even one percent dispute with them. But you killed him just for money. I know which singer had a problem with Sidhu and on whose orders he was killed.